



epaper.vaartha.com

Vaartha Hindi

@Vaartha_Hindi

Vaartha official

www.hindi.vaartha.com



STEP INTO ROYAL TOWER THE CROWN JEWEL OF ULTRA LUXURY LIVING

Premium
4 BHK + SERVANT ROOM

EXCLUSIVE
TERRACE AMENITIES

G+35
FLOORS

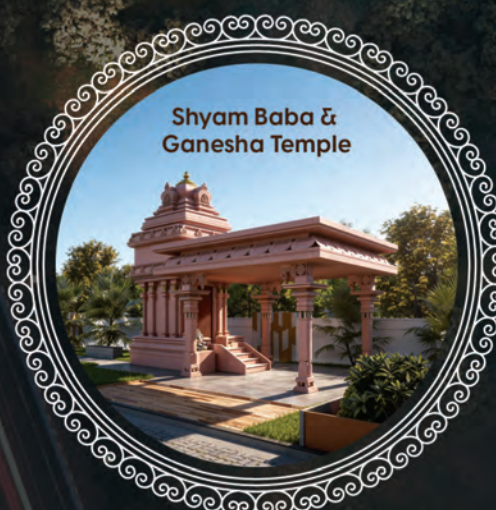
60K
SFT CLUBHOUSE

5 ACRES
OF COMMUNITY

*Images shown are computer-generated renders;
the actual project will be similar but may vary slightly



Jain Temple



Shyam Baba & Ganesha Temple

LUXURY LIVING BLESSED WITH **TEMPLES** WITHIN THE COMMUNITY

+91 9542 28 28 28

Pillar No. 86, Attapur | www.mahaveerconstructions.com

Follow us on

SCAN TO WATCH THE
PROJECT WALKTHROUGH





वर्ष-31 अंक : 53 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.9 2083 रविवार, 24 मई-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH



प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संधी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

तेलंगाना में हीट वेव से 16 की मौत

हाई अलर्ट : इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों की सुरक्षा भी जरूरी : मंत्री पोंगुलेटी

> मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये मुआवजा देने के निर्देश

हैदराबाद, 23 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी किया है। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल राहत उपाय सुनिश्चित किए जाएं। शनिवार को सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले तीन दिनों में लू का प्रकोप और बढ़ने की चेतावनी दी है, इसलिए सभी जिला कलेक्टर पूरी तरह सतर्क रहें।



मंत्री ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार सभी मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये मुआवजा देने तथा इसकी प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के आदेश दिए।

मीडिया और ग्राम स्तरीय घोषणाओं के माध्यम से लोगों को लगातार सतर्क किया जाए। उन्होंने बस स्टैंड, बाजार, मुख्य सड़कों, निर्माण स्थलों और श्रमिक क्षेत्रों में ठंडा पेयजल, मट्ठा और ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बीमार लोगों से सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की। साथ ही कृषि मजदूरों, निर्माण श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए विशेष सुरक्षा उपाय करने को कहा।

उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को हीट वेव की स्थिति की व्यक्तिगत निगरानी करने तथा गांव स्तर तक कर्मचारियों को फील्ड में तैनात रखने के निर्देश दिए। साथ ही हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के लिए आपात चिकित्सा सेवाएं तैयार रखने को कहा। मंत्री ने कहा कि इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों की सुरक्षा भी जरूरी है। इसके लिए गांवों और शहरों में पानी के

> यूपी के बांदा में पारा 47ओसी

एमपी-राजस्थान समेत 11 राज्यों में झुलसाने वाली गर्मी, अगले 2 दिन राहत नहीं

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। देश का अधिकांश हिस्सा तेज गर्मी और लू की चपेट में है। तेलंगाना में अब तक गर्मी और हीटवेव की वजह से 16 मौतें हो चुकी हैं। राज्य के राजस्व मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने यह जानकारी दी। शुक्रवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत की अपील की। साथ ही कृषि मजदूरों, निर्माण श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए विशेष सुरक्षा उपाय करने को कहा।

उन्होंने सभी जिला कलेक्टरों को हीट वेव की स्थिति की व्यक्तिगत निगरानी करने तथा गांव स्तर तक कर्मचारियों को फील्ड में तैनात रखने के निर्देश दिए। साथ ही हीट स्ट्रोक के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराने के लिए आपात चिकित्सा सेवाएं तैयार रखने को कहा। मंत्री ने कहा कि इंसानों के साथ-साथ पशु-पक्षियों की सुरक्षा भी जरूरी है। इसके लिए गांवों और शहरों में पानी के

के मुताबिक शुक्रवार को दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की लिस्ट में सभी शहर भारत के रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा के कई शहर दोपहर से पहले ही 42 से 44ओसी तक पहुंच गए। अकेले उत्तर प्रदेश के 22 शहर गर्म शहरों की लिस्ट में थे। सुबह 10:50 बजे ओडिशा का बलांगीर 45ओसी के साथ सबसे गर्म शहर रहा। दोपहर होते-होते विदर्भ के ब्रह्मपुरी में देश का सबसे ज्यादा 47.2ओसी तापमान रहा। दोपहर 3 बजे दुनिया के 22 सबसे गर्म शहरों में पारा 47ओसी से ज्यादा था। ये सभी शहर भारत के थे।

सूर्यापट, महबूबनगर, हैदराबाद और रंगोरेड्डी जिलों में भीषण गर्मी और लू जारी रहने की संभावना है। सरकार ने इन जिलों के प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

13 हजार पत्रों की चौथी सप्तीमेंट्री चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दिसंबर 2023 के संसद सूचना चूक मामले में यूपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत 13 हजार पत्रों की चौथी सप्तीमेंट्री चार्जशीट अदालत में दाखिल की है। इस चार्जशीट में आरोपियों पर आतंकी गतिविधियों, दंगा भड़काने की साजिश और देश की सुरक्षा को खतरों में डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। स्पेशल सेल ने अपनी जांच में सामने आए सबूतों, डिजिटल डेटा, चैट्स, कॉल रिकॉर्ड्स, सोशल मीडिया गतिविधियों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह विस्तृत चार्जशीट तैयार की है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने संसद की सुरक्षा व्यवस्था में जानबूझकर संघ लगाने की साजिश रची थी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने 19वें रोजगार मेले का शुभारंभ किया

> सिकंदराबाद में 218 नव-नियुक्तों को मिला नियुक्ति पत्र

> देशभर के 47 स्थानों पर 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित

हैदराबाद/नई दिल्ली 23 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज देशभर में आयोजित 19वें रोजगार मेले का शुभारंभ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इस अवसर पर देश के 47 स्थानों पर एक साथ 51,000 से अधिक चर्यनित अर्थार्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) क्षेत्र के अंतर्गत सिकंदराबाद, गुंटकल और गुंटूर सहित विभिन्न केंद्रों पर भी कार्यक्रम आयोजित हुए।



सिकंदराबाद स्थित रेल कलारंग, भोईगुड़ा में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 218 नव-नियुक्त अर्थार्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री

मोदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि 51,000 से अधिक युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों-रेलवे, बैंकिंग, रक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा में सरकारी सेवा का अवसर मिलना देश के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ये युवा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पीएम मोदी से मिले रूबियो, पीएम को व्हाइट हाउस आने का दिया न्योता

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। चार दिवसीय भारत दौर पर आए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं के बीच व्यापार, सुरक्षा संबंधों समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री ने पीएम मोदी को व्हाइट हाउस आने का भी न्योता दिया। इससे पहले रूबियो शनिवार पहले कोलकाता पहुंचे फिर दिल्ली



के लिए रवाना हुए थे। अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को व्हाइट हाउस आने का औपचारिक आमंत्रण दिया है। उन्होंने बताया कि यह निमंत्रण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से विदेश मंत्री मार्को रूबियो से भेजा गया है। सर्जियो गोर के अनुसार, पीएम मोदी और मार्को रूबियो के बीच हुई बातचीत काफी सकारात्मक और रचनात्मक रही।

चीन की कोयला खदान में ब्लास्ट, 90 लोगों की मौत

> 247 मजदूर काम कर रहे थे > जिनपिंग बोले-गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे

बीजिंग, 23 मई (एजेंसियां)। चीन के शांसी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा चीन में पिछले एक दशक का सबसे बड़ा कोयला खदान हादसा माना जा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक विस्फोट शुक्रवार को शांसी प्रांत के

किनयुआन काउंटी में हुआ। यह इलाका बीजिंग से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। हादसे से पहले खदान में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का अलर्ट जारी किया गया था। इसके कुछ समय बाद जोरदार विस्फोट हुआ। जिस समय धमाका हुआ, उस वक

खदान के अंदर 247 मजदूर काम कर रहे थे। अभी यह साफ नहीं है कि कितने लोग अब भी अंदर फंसे हुए हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है। हेरानी की बात यह है कि हादसे के तुरंत बाद शुरूआती रिपोर्ट में सिर्फ आठ मौतों की जानकारी दी थी और कहा था कि 200 से ज्यादा मजदूरों को सुनिश्चित बाहर

निकाल लिया गया है। बाद में अचानक मृतकों की संख्या बढ़कर 82 बताई गई। सरकारी मीडिया ने यह साफ नहीं किया कि आंकड़ा इतनी तेजी से कैसे बढ़ा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे के बाद बचाव टीमों को लाजता लोगों को खोजने के लिए हर संभव कोशिश करने का निर्देश दिया।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में एनकाउंटर शुरू

आतंकवादियों के छिपे होने का शक

राजौरी, 23 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में शनिवार दोपहर सुरक्षाबलों और आतंकियों से मुठभेड़ हुई है। दोरीमल के जंगलों में 2-3 पाकिस्तानी आतंकियों के घिरे होने की खबर है। आतंकी मूवमेंट की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों का जंगल में सर्च ऑपरेशन जारी है। इसी दौरान आतंकियों ने फायरिंग की। इसी साल फरवरी में भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर ने किशतवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा का ऐलान किया था। सेना ने एक्स पर 7 आतंकियों की फोटो पोस्ट की थी।

इसमें लिखा था- 326 दिन के बाद किशतवाड़ से आतंक के नेटवर्क का खात्मा हुआ। पोस्ट में कहा गया था कि इन आतंकियों में जैश का कमांडर सैफुल्लाह भी मारा गया है। सैफुल्लाह किशतवाड़ में आतंक का सरगना था।

अमरनाथ से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई

> पवित्र गुफा में 6-7 फीट का शिवलिंग बना > यात्रा 3 जुलाई से

श्रीनगर, 23 मई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बर्फ से बने शिवलिंग (बाबा बर्फानी) की पहली तस्वीरें सामने आ गई हैं। तस्वीरों में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है। इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी।



अमरनाथ यात्रा के लिए 3.6 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। यात्रा मार्ग पर कई जगह अब भी 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है, लेकिन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) दोनों रास्तों पर तेजी से ट्रेक बहाल करने में जुटा है। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों रास्ते पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे। यात्रा 3 जुलाई से बालटाल-सोनमार्ग और पारंपरिक नुवान-पहलगाम मार्ग से शुरू होगी। 57 दिन की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे।

बाँक ऑफ इंडिया और यस बैंक की तय शाखाओं के जरिए हो रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल यह संख्या 5 लाख के पार जा सकती है। 2025 में 4.14 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 5.10 लाख से ज्यादा था। रास्ते में अब भी 12 फीट तक बर्फ जमी : रास्ते में सामान्य जगहों पर 6 से 8 फीट और हिमस्खलन वाले इलाकों में 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। बालटाल मार्ग पर 9 किमी और नुवान-पहलगाम मार्ग पर 8 किमी ट्रैक से बर्फ हटाई जा चुकी है। ट्रैक को 12 फीट चौड़ा करने, सतह सुधारने, रिटर्निंग वाल और कल्वर्ट बनाने का काम भी चल रहा है। इस बार बेस कैंप में टेंट की जगह ग्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं।

5 से 30 लोगों के ग्रुप के लिए रजिस्ट्रेशन बंद :

5 से 30 लोगों के ग्रुप में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन बुधवार को बंद हो गए। हालांकि, अकेले या छोटे ग्रुप में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्लॉट खाली रहने तक रजिस्ट्रेशन जारी रहेगा। रजिस्ट्रेशन पंजाब, नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की तय शाखाओं के जरिए हो रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल यह संख्या 5 लाख के पार जा सकती है। 2025 में 4.14 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 5.10 लाख से ज्यादा था।

रास्ते में अब भी 12 फीट तक बर्फ जमी : रास्ते में सामान्य जगहों पर 6 से 8 फीट और हिमस्खलन वाले इलाकों में 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है। बालटाल मार्ग पर 9 किमी और नुवान-पहलगाम मार्ग पर 8 किमी ट्रैक से बर्फ हटाई जा चुकी है। ट्रैक को 12 फीट चौड़ा करने, सतह सुधारने, रिटर्निंग वाल और कल्वर्ट बनाने का काम भी चल रहा है। इस बार बेस कैंप में टेंट की जगह ग्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर स्ट्रक्चर बनाए जा रहे हैं।

हैदराबाद में पेट्रोल 112 रुपये के पार

हैदराबाद, 23 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी के बीच केंद्र सरकार ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल के दामों में एक बार फिर बढ़ोतरी कर दी। पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बार है जब ईंधन की कीमतों में इजाफा किया गया है। नई दरों के अनुसार पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 91 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि हुई है।

बढ़ी हुई कीमतों के बाद हैदराबाद में एक लीटर पेट्रोल का दाम 112.81 रुपये पहुंच गया है, जबकि डीजल 100.94 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इससे पहले शहर में पेट्रोल की कीमत 111.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 99.89 रुपये प्रति लीटर थी। लगातार बढ़ रही कीमतों से आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है।

राज्यसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष बने राघव चड्ढा

> सभापति सीपी राधाकृष्णन ने किया मनोनीत

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। आप पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। राघव चड्ढा को उच्च सदन यानी राज्यसभा की याचिका समिति का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इस समिति का पुनर्गठन करते हुए इसमें दस सदस्यों को नामांकित किया है। राघव चड्ढा की यह नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है।



राज्यसभा सचिवालय ने जारी की अधिसूचना : राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में इस नियुक्ति की पुष्टि की गई है। अधिसूचना में कहा गया है कि सभापति सीपी राधाकृष्णन ने याचिका समिति का पुनर्गठन किया है, जो 20 मई से प्रभावी हो गया है। राघव चड्ढा को इस महत्वपूर्ण समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। राघव चड्ढा पिछले कुछ समय से अपनी राजनीतिक

में आने वाली विभिन्न याचिकाओं और जनहित के मामलों पर विचार करती है। एक अन्य अधिसूचना ने राज्यसभा सचिवालय ने जानकारी दी कि सभापति ने 20 मई, 2026 को राज्यसभा सदस्य डॉ. मेनका गुरुवामी को भी एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें कॉपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 की संयुक्त समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह विधेयक कॉपोरेट जगत से जुड़े नियमों में सुधार से संबंधित है।

गतिविधियों को लेकर काफी चर्चा में रहे हैं। इस 10 सदस्यीय समिति में राघव चड्ढा के अलावा देश के कई अन्य प्रमुख सांसदों को शामिल किया गया है। इस समिति के अन्य सदस्य हर्ष महानजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुटिया, रंगवारा नारजारी और संदीप कुमार भी हैं। यह समिति राज्यसभा

तमिलनाडु सरकार ने प्रमुख विभागों में 100 से अधिक अल्पकालिक निविदाएं रद्द कीं

चेन्नई, 23 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने लोक निर्माण, विद्युत, ग्रामीण विकास और नगर प्रशासन सहित कई प्रमुख विभागों में जारी की गई 100 से अधिक अल्पकालिक निविदाएं रद्द कर दी हैं। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली नवागठित सरकार द्वारा यह कदम प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने और लोक निर्माण अनुबंधों में अधिक पारदर्शिता लाने के व्यापक प्रयासों के तहत उठाया गया है। अल्पकालिक निविदाएं आम तौर पर तत्काल या आपातकालीन आवश्यकताओं की स्थिति में जारी की जाती हैं, जहां कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने के लिए सामान्य बोली अवधि कम कर दी जाती है। ऐसी निविदाएं अक्सर उन परियोजनाओं के लिए उपयोग की जाती हैं, जिन्हें तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है और जो मानक खरीद प्रक्रिया का इंतजार नहीं कर सकती हैं।



आधार पर, सरकार ने कम समय सीमा के भीतर जारी की गई निविदाओं की व्यापक समीक्षा शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत, हाल के हफ्तों में जारी की गई कई निविदाएं अब वापस ले ली गई हैं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 13 मई से 22 मई के बीच विभिन्न विभागों में जारी की गई निविदाओं की पहचान कर उन्हें रद्द कर दिया गया है। प्रभावित विभागों में ग्रामीण विकास विभाग, परिवहन विभाग, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), विद्युत विभाग, चेन्नई नगर निगम, नगर प्रशासन विभाग और जल आपूर्ति विभाग शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन निविदाओं को रद्द करने का निर्णय प्रशासनिक कारणों से लिया गया है, हालांकि प्रभावित परियोजनाओं या उनसे जुड़ी वित्तीय राशि के बारे में तत्काल कोई विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। सरकार ने इससे पहले भी अल्पकालिक निविदाओं के मुद्दे पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। चेन्नई नगर निगम और ग्रामीण विकास विभाग में, निर्देशों के बावजूद कथित तौर पर ऐसी निविदाएं जारी करने वाले अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था।

150 उद्योगपतियों के साथ कनाडा दौरे पर जाएंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 25 से 27 मई तक कनाडा दौरे पर जाएंगे। इस दौरान उनके साथ करीब 150 उद्योग जगत के नेताओं का प्रतिनिधिमंडल भी होगा।

इस यात्रा का उद्देश्य भारत और कनाडा के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना है। भारत और कनाडा अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक प्रेस ब्रीफिंग में गोयल ने कहा कि भारत को उम्मीद है कि कनाडा के साथ ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनेरल्स) जैसे क्षेत्रों को शामिल करते हुए मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) किया जाएगा। बातचीत में तकनीक, फूड प्रोसेसिंग, स्वच्छ ऊर्जा और क्रिटिकल मिनेरल्स में सहयोग पर भी जोर रहेगा।

सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान भविष्य के युद्ध में साइबर-कॉग्निटिव पहलू भी होंगे शामिल, रखनी होगी बढ़त

शिर्डी, 23 मई (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को एक बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में युद्ध केवल जमीन, समुद्र या आसमान तक सीमित नहीं रहेंगे। अब भविष्य की लड़ाइयों में कंप्यूटर साइबर स्पेस और इंसानी दिमाग से खेलने वाली तकनीक यानी कॉग्निटिव वॉरफेयर भी एक साथ मिलकर काम करेगी। अहिल्यानगर जिले में एक डिफेंस मैनुफैक्चरिंग यूनिट की शुरुआत करते हुए जनरल चौहान ने ये बातें कहीं। उन्होंने साफ शब्दों में समझाया कि आज के दौर का युद्ध अब सिर्फ सैनिकों की संख्या या पुराने पारंपरिक हथियारों के भरोसे नहीं लड़ा जा सकता।



सेनाओं के लिए क्यों जरूरी है नई तकनीक : सीडीएस ने कहा कि आने वाले दिनों में लड़ाइयों का रूप पूरी तरह बदलने वाला है। अब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, ड्रोन, रोबोटिक्स, साइबर सिस्टम, खुद चलने वाले प्लेटफॉर्म, अंतरिक्ष की तकनीक और सटीक निशाना लगाने वाले आधुनिक हथियार ही जीत तय करेंगे। जनरल चौहान के मुताबिक, आने वाले

भविष्य में युद्ध केवल भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहेंगे। इनका विस्तार सूचना नेटवर्क, डिजिटल इकोसिस्टम और साइबर इकाइयों तक हो चुका है। बढ़त केवल उसी देश को मिलेगी जो तेजी से नवाचार करेगा।

जनरल चौहान ने आगे कहा कि भविष्य में युद्ध के मैदान सिर्फ किसी जमीन के टुकड़े तक सीमित नहीं रहेंगे। अब यह लड़ाइयों के नेटवर्क, डिजिटल सिस्टम और साइबर ढांचे तक फैल चुके हैं। दुनिया में वही देश सबसे आगे रहेगा जो तेजी से नए आविष्कार करेगा, अपनी जरूरत का सामान खुद जल्दी बनाएगा और जिसकी सेनाएं इन नई तकनीकों को तेजी से सीखकर खुद को ढाल लेंगी।

आधुनिक युद्ध का नया चेहरा ऑपरेशन सिंदूर : जनरल अनिल चौहान ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर अतीत में लड़े गए सभी युद्धों से बिल्कुल अलग है। यह ऑपरेशन आज भी जारी है। इतिहास में पहली बार यह एक वास्तविक मल्टी-डोमेन ऑपरेशन था। इसका मतलब है कि सेना के तीनों अंगों ने एक साथ बढ़ते हुए सटीक तालमेल के साथ काम किया। यह बड़े पैमाने पर 'नॉन-कॉन्वेंट वॉरफेयर' यानी बिना

समय में वही देश जीतेगा जिसके पास आधुनिक तकनीक होगी, काम में रफ्तार होगी और जो नए-नए आविष्कार करेगा।

जनरल चौहान ने आगे कहा कि भविष्य में युद्ध के मैदान सिर्फ किसी जमीन के टुकड़े तक सीमित नहीं रहेंगे। अब यह लड़ाइयों के नेटवर्क, डिजिटल सिस्टम और साइबर ढांचे तक फैल चुके हैं। दुनिया में वही देश सबसे आगे रहेगा जो तेजी से नए आविष्कार करेगा, अपनी जरूरत का सामान खुद जल्दी बनाएगा और जिसकी सेनाएं इन नई तकनीकों को तेजी से सीखकर खुद को ढाल लेंगी।

तीन नहीं सिर्फ एक दिन की छुट्टी

शुबेंद्र अधिकारी ने पलटा बकरीद पर ममता बनर्जी का फैसला कोलकाता, 23 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुबेंद्र अधिकारी की अगुवाई वाली बीजेपी सरकार ने पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार के एक फैसले को पलट दिया है।

राज्य सरकार ने कहा है कि बकरीद पर सिर्फ दिन के लिए सरकारी अवकाश रहेगा। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर 2 दिन का अवकाश दिया जाता था। शुबेंद्र अधिकारी की सरकार ने ताजा अधिसूचना के अनुसार, अब बंगाल में बकरीद पर मिलने वाली दो दिनों की छुट्टी में कटौती कर उसे सिर्फ 1 दिन (28 मई 2026, गुवुवार) का कर दिया गया है।

इसके साथ ही पहले से घोषित 26 और 27 मई को छुट्टियां रद्द कर उन्हें सामान्य कार्य दिवस (वर्किंग डे) घोषित किया गया है।

कोई बच्चा आर्थिक मजबूरी में शिक्षा से वंचित न रहे : योगी



लखनऊ, 23 मई (एजेंसियाँ)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन को और व्यापक तथा परिणाममुखी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने बाल श्रमिक विद्या योजना को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में विस्तारित करने, ‘सेवामित्र व्यवस्था’ को और प्रभावी बनाने, निर्माण श्रमिकों के लिए बड़े शहरों में आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया

का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध हों। शनिवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों और प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाल श्रम प्रभावित

> 75 जनपदों में लागू होगी श्रमिक विद्या योजना

क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ा जाए और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र के सहयोग से इन बच्चों के कौशल विकास की कार्ययोजना भी तैयार की जाए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में प्रारंभ की गई इस योजना के तहत 8 से 18 वर्ष आयु वर्ग के कामकाजी बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वर्तमान में योजना 20 जनपदों में संचालित है। मुख्यमंत्री ने इसे नए प्रावधानों के साथ प्रदेश के सभी 75 जनपदों में लागू करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने ‘सेवामित्र व्यवस्था’ को रोजगार और जनसुविधा का अभिनव मॉडल बताते हुए कहा कि तकनीक आधारित ऐसी व्यवस्थाएं युवाओं और कुशल कामगारों के लिए नए अवसर तैयार करती हैं। उन्होंने इसे और अधिक प्रभावी तथा जनोपयोगी बनाने के निर्देश

आवास सुविधा उपलब्ध कराना भी आवश्यक

मुख्यमंत्री ने निर्माण श्रमिकों के लिए सभी औद्योगिक शहरों में प्रस्तावित श्रमिक सुविधा केंद्रों यानी ‘लेबर अड्डा’ को व्यवस्थित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों को केवल श्रमिकों के एकत्रीकरण स्थल के रूप में नहीं, बल्कि श्रमिक सहायता एवं सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में दूसरे क्षेत्रों से आने वाले श्रमिकों के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित आवास सुविधा उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कानपुर में प्रस्तावित औद्योगिक श्रमिक प्रशिक्षण संस्थान और छात्रावास योजना को कौशल विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करना समय की मांग है।

दिए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2021 से संचालित इस व्यवस्था के तहत नागरिक मोबाइल ऐप, वेब पोर्टल अथवा कॉल सेंटर के माध्यम से घरेलू सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में पोर्टल पर 1097 सेवा प्रदाता, 5049 सेवामित्र और 54,747 कुशल कामगार पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों में भी आवश्यकता के अनुसार

सेवामित्र व्यवस्था के उपयोग के प्रस्ताव को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग में हुए संस्थागत सुधारों की सराहना करते हुए कहा कि उद्योगों के अनुकूल वातावरण और श्रमिक हितों के बीच संतुलन बनाना सरकार की नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पटना, 23 मई (एजेंसियाँ)। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के मूल्य वृद्धि को लेकर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सरकार को घेरते हुए कहा है कि आने वाले दिनों में जनता को भयंकर महंगाई झेलनी पड़ेगी। उन्होंने सरकार को



निशाने पर लेते हुए कहा कि मोदी सरकार ने आज फिर सीएनजी, पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए। एनडीए सरकार ने पिछले 10 दिनों में तेल की कीमतों में लगभग 5 रुपए की वृद्धि की है, यानि 50 पैसे प्रतिदिन। अभी और बढ़ना शेष है।

राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, जब क्रूड ऑयल सस्ता था, तब भी ये आपकी जेब काटकर निजी कंपनियों को मुनाफ़ा दिला रहे थे और अब भी। जो भाव कच्चे तेल का 2014 में था, अब उससे भी बहुत कम है, लेकिन पेट्रोल-डीजल के दाम दुगुना हो गए हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में जनता को भयंकर महंगाई झेलनी पड़ेगी, प्राइवेट सेक्टर की नौकरियां जाएंगी, प्रवासी श्रमिक वापस लौटेंगे, लघु उद्योग-धंधे कम होंगे,

गरीबी-बेरोजगारी बढ़ेगी। सरकार को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि नफ़रत का कारोबार, भाषणबाजी, रील्स और एंटरटेनमेंट के लिए जिसे चुना था, वो ‘फुल इंटरटेनमेंट’ मिलता रहेगा। नौकरी, गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, गांव-

किसान, शिक्षा-स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था इत्यादि पर गहन विचार-विमर्श और ध्यान केंद्रित देने की बजाय इनका फोकस संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग, हेडलाइन मैनेजमेंट, हिंदू-मुस्लिम, मंदिर-मस्जिद, गाय-गोबर और स्थलों के नाम बदलने पर रहेगा। बता दें कि सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की। करीब 10 दिनों में यह तीसरी बार है जब इंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण की गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है।

पीएम मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी का मामला

अजय राय और 30 समर्थकों पर एफआईआर, अधिवक्ता ने साौपी ‘पेन ड्राइव’

महोबा, 23 मई (एजेंसियाँ)। महोबा जिले में अपहरण व दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली नीट की तैयारी कर रही छात्रा से मिलने आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य और अधिवक्ता नीरज रावत की तहरीर पर अजय राय, निवर्तमान प्रदेश सचिव बृजराज सिंह समेत 30 समर्थकों के खिलाफ प्रार्थनाई दर्ज की गई थी। मध्यप्रदेश के जनपद छतरपुर के एक गांव निवासी 25 वर्षीय युवती महोबा में किराये का कमरा लेकर नीट की तैयारी कर रही थी। 30 अप्रैल को वह लाइब्रेरी से घर लौटते समय लापता हो गई थी। 16 दिन बाद युवती को पुलिस ने बरामद किया था। युवती ने आरोपियों पर अपहरण, दुष्कर्म व प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। हालांकि, बाद में युवती का शादी करते वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ। पीएम के खिलाफ अपशब्द कहते सुनाई दे रहे हैं इसमें स्वेच्छा से विवाह किए जाने जैसे तथ्य दिखाई



दिए। इसके बाद से यह मामला बदलता नजर आने लगा। शुक्रवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय महोबा पहुंचे और नीट की तैयारी कर रही छात्रा से पूरी घटना की जानकारी ली। पीड़िता से मिलकर जाते समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ, जिसमें वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्द कहते सुनाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी के बाद भाजपाई आक्रोशित हो गए। अधिवक्ता नीरज रावत ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 22 मई को बिना प्रशासनिक अनुमति के कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आरोप लगाया कि अजय राय 15-16 गाड़ियों के काफिले और दर्जनों समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे। वाहनों को सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से खड़ा किया गया। इससे रास्ता बाधित हो गया। ड्यूटी पर तैनात पुलिस और प्रशासनिक कर्मचारियों को शांति व्यवस्था बनाए रखने में मशक्कत करनी पड़ी। उन्होंने वायरल वीडियो की पैन ड्राइव पुलिस को साक्ष्य के तौर पर साौपी।

जेवर में 15 वर्षीय किशोर का शव मिलने से सनसनी

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका ग्रेटर नोएडा, 23 मई (एजेंसियाँ)। ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोर का शव सद्गिरध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गोपाल के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ समय से लापता था। परिजनों ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, दिनांक 22 मई को गोपाल के पिता ने थाना जेवर में अपने पुत्र के घर से बिना बताए चले जाने की सूचना दी थी। पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तत्काल किशोर की तलाश शुरू कर दी थी।

भाजपा और उसके ‘संगी-साथियों’ की गतिविधियों की भी हो कानूनी जांच : अखिलेश यादव

लखनऊ, 23 मई (एजेंसियाँ)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश ने भाजपा और उससे जुड़े ‘संगी-साथियों’ पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस तरह असली शत्रुओं के लाइसेंस की जांच होती है, उसी तरह देश, समाज और आपसी सौहार्द पर “अवश्यक शत्रुओं” से हमला करने वालों की गतिविधियों की भी कानूनी पड़ताल होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वकील और जनता सवाल उठा रहे हैं कि भाजपा नेताओं और उनके सहयोगियों के निर्माण, चंदे, संपत्तियों, विदेश दौरो और कथित गुप्त गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कर काना पूरा हिसाब-किताब सार्वजनिक कहा जाए। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि असली शत्रु के तो लाइसेंस बनते हैं लेकिन कुछ अदृश्य शस्त्र भी हैं, जो गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी प्रेम पर अंदर से बेहद घातक हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वकील कह रहे हैं कि लगे हाथों। भाजपाइयों के घर, दुकान, कार्यालय, प्रतिष्ठान के कागज़-नक्शे मँगाने की वैधता भी जाँच ली जाए। साथ ही भाजपा और उनके संगी-साथियों द्वारा निर्माणों, आयोजनों व आपदाओं के नाम पर



‘जगह-जगह’ से बटोरे गये ‘तरह-तरह’ के चंदे-फ़ंड का हिसाब भी माँगा जाए और उनका ऑडिट हो। उन्होंने कहा कि हाँ जनता ये भी पूछ रही है कि इस बात का भी कानूनी-सहूँ समझाया जाए कि ‘अनरजिस्टर्ड’ लोग ज़मीन किसके नाम से लेकर अपना निर्माण करते हैं और ये संपत्तियाँ कैसे बेनामी नहीं हैं? सपा प्रमुख यादव ने कहा कि इसके अतिरिक्त जनता की जिज्ञासा ये भी है कि गुप्त-गतिविधियों में संलिप्त भाजपाई संगी-साथियों के ऐसे निर्माणों को ‘कार्यालय’ कहा जाए या ‘अड्डा’? अखिलेश यादव ने कहा कि इन ‘संगी-साथी’ अवैध लोगों का खर्चा-पानी कौन उठाता है? इसका कच्चा चिट्ठा तलाशकर खोला जाए। ये

तथाकथित स्वदेशी ‘संगी-साथी’, विदेश भ्रमण करने क्यों जाते हैं? उन्होंने कहा कि ये ‘संगी-साथी’ औपनिवेशिक समय से किसकी कठपुतली हैं? इन ‘संगी-साथियों’ का इतिहास मुखबिरी का क्यों रहा है? ये ‘संगी-साथी’ सामाजिक सौहार्द क्यों बिगाड़ते हैं? सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा कि वकील ये भी पूछ रहे हैं कि अब ये ‘संगी-साथी’ किस नई साजिश के तहत ‘मानस के मान’ पर लाठियां चलावा रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसके पहले बिजली व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया में लिखा कि भाजपा की गलत नीतियों की वजह से उग्र में जो असहनीय बिजली संकट चल रहा है, उसके लिए ए.उच्चाली विभाग के कनिष्ठ कर्मचारियों या लाइनमैन पर जनता अपना गुस्सा न निकाले। बिजली विभाग के हजारों संविदा कर्मचारियों की छंटनी के बाद वो भी बहुत दबाव में काम कर रहे हैं। दरअसल इस ‘महा विद्युत आपदा’ के लिए भाजपा सरकार, बिजली मंत्री, भाजपा के सांसद, विधायक, मेयर, पार्षद ने लेकर बिजली विभाग के उच्चाधिकारी व श्रष्ट ठेकेदार जिम्मेदार हैं, जो इस नाकाम सत्ता में अप्रत्यक्ष-प्रत्यक्ष रूप से हिस्सेदार हैं।

खाकी बनाम सेना : आईटीबीपी के जवानों ने घेरा कमिश्नर दफ्तर जवान की मां का हाथ काटने के मामले में सीएमओ को भी उठा लाए

कानपुर, 23 मई (एजेंसियाँ)। कानपुर में आईटीबीपी जवान विकास सिंह ने मां निर्मला देवी के हाथ कटने के मामले में सीएमओ की कृष्णा हॉस्पिटल के डॉक्टरों को बचाने का आरोप लगाया है। सीएमओ की स्पष्ट जांच रिपोर्ट न देने का आरोप लगा पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। आईटीबीपी के करीब 100 जवानों ने सुबह 11:15 बजे पहुंच कर पुलिस कमिश्नर कार्यालय का घेराव किया। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डॉ. विपिन कुमार ताड़ा से मुलाकात की। आईटीबीपी की 15 से अधिक गाड़ियां और ट्रक परिसर में मौजूद हैं। पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर आईटीबीपी की पांच से छह गाड़ियां सीएमओ कार्यालय के लिए रवाना हुई हैं। डॉक्टरों की लापरवाही से मां का हाथ काटना पड़ा आईटीबीपी के जवान का आरोप है कि कृष्णा हॉस्पिटल के डॉक्टरों की लापरवाही से उनकी मां का हाथ काटना पड़ा। उन्होंने 13 मई की शाम को सांस की दिक्कत होने पर मां निर्मला देवी को नर्सिंगहोम में भर्ती कराया था। करीब 12 घंटे बाद 14 मई को उनकी मां के दाहिने हाथ में सूजन आ गई थी। उन्होंने डॉक्टरों से बातचीत की, तो उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे सूजन खत्म हो जाएगी। आईटीबीपी जवान विकास सिंह के मुताबिक उन्होंने साथी जवानों से बात की, तो उन्होंने मां को दूसरे अस्पताल में ले जाने के लिए कहा। उन्होंने मां को 14 मई की शाम को ही पारस हॉस्पिटल में शिफ्ट कराया।

यूपी एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई : पैसे लेकर एसएससी की परीक्षा पास कराने वाले गैंग का पर्दाफाश, 7 गिरफ्तार

नोएडा, 23 मई (एजेंसियाँ)। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने स्टाफ सिलेक्शन कमीशन की परीक्षाओं में धांधली करने वाले एक बड़े गैंग का भंडाफोड़ किया है। आरोप है कि यह गैंग उम्मीदवारों से करीब 4 लाख रुपये लेकर परीक्षा पास कराने की गारंटी देता था। ग्रेटर नोएडा के एक परीक्षा केंद्र पर छापेमारी के दौरान एसटीएफ ने कथित मास्टरमाइंड समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके से करीब 50 लाख रुपये नकद, लैपटॉप, मोबाइल फोन और परीक्षा से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए। एसटीएफ के मुताबिक यह गिरोह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीपीएफ),

सचिवालय सुरक्षा बल (एसएसएफ) कांस्टेबल जीडी और असम राइफल्स राइफलमैन परीक्षा-2026 की ऑनलाइन भर्ती परीक्षाओं में धांधली कर रहा था। आरोपियों ने परीक्षा प्रणाली को चकमा देने के लिए मॉडर्न तकनीकी तरीकों का इस्तेमाल किया। गिरोह के सदस्यों द्वारा परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों तक रियल टाइम में उत्तर पहुंचाए जाते थे। सात लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार एसटीएफ को एसएससी की ऑनलाइन परीक्षाओं में धांधली की सूचना मिली थी, जिसके बाद गुप्त जांच शुरू की गई। जांच के दौरान टीम ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित “बालाजी डिजिटल जॉन”

नाम के एक परीक्षा केंद्र तक पहुंची। 22 मई को एसटीएफ ने यहां छापा मारकर प्रदीप चौहान, अरुण कुमार, संदीप भाटी, निशांत रावत, अमित राणा, शाकिर मलिक और विवेक कुमार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सीधे एसएससी के सर्वर को हैक नहीं किया था। इसके बजाय परीक्षा केंद्र पर कंपनी के सर्वर को बायपास कर एक प्रॉक्सी सर्वर लगाया गया था। स्क्रीन-शेयरिंग एप्लिकेशन की मदद से प्रश्नपत्र बाहर बैठे सॉल्वरों तक पहुंचाए जाते थे। ये सॉल्वर सवाल हल कर सही जवाब परीक्षा दे रहे अभ्यर्थियों तक पहुंचाते थे।

दो पैन कार्ड केस : आजम खां और बेटे अब्दुल्ला की तीन-तीन साल की सजा बढ़ी जुर्माना भी पांच लाख किया गया

मुरादाबाद, 23 मई (एजेंसियाँ)। सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोर्ट ने उनकी सजा को तीन साल और बढ़ा दिया है। अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने नवंबर 2025 में सपा नेता आजम खां और बेटे अब्दुल्ला को सात-सात साल की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन पक्ष की ओर से सजा बढ़ाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई थी। सजा बढ़ाने की अभियोजन पक्ष की अपील की सुनवाई एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चल रही है। सजा बढ़ाने से संबंधित अपील पर

दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी हो गई है। इस मामले में अभियोजन की ओर से रूलिंग भी दाखिल की गई है। कोर्ट अब इस मामले में शनिवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने सरकार की अपील को मंजूर कर दिया है। कोर्ट ने आजम व अब्दुल्ला की सजा को तीन तीन साल के लिए बढ़ा दिया है। इसके साथ ही अब ही पांच पांच लाख रुपये जुर्माना भी लगाया है। हेट स्पीच में हो चुकी है दो साल की कैद इससे पहले शनिवार यानि 16 मई को साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान रामपुर के डीएम को तनख्वाया बोलते हुए उनसे जुते साफ कराने का बयान देने पर दर्ज केस में अदालत ने सपा नेता आजम खां को दो साल कैद की सजा सुनाई थी। आजम पर 20 गथा था। आरोप था कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट इलाके में उन्होंने जनता के बीच रोड शो में यह बयान



नवंबर 2025 से जेल में हैं। तत्कालीन डीएम पर बयान के मामले में सजा सुनाए जाने के दौरान पर आजम जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट की कार्यवाही से जुड़े रहे। सपा नेता आजम खां के खिलाफ यह मामला भोट थाना क्षेत्र में दर्ज कराया गया था। आरोप था कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान भोट इलाके में उन्होंने जनता के बीच रोड शो में यह बयान

दिया था। उस समय का चुनाव सपा-बसपा गठबंधन का था और रामपुर लोकसभा सीट से आजम खां प्रत्याशी थे। बयान देते समय का आजम खां का वीडियो भी वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद चुनाव आयोग ने राज्य निर्वाचन आयोग से रिपोर्ट तलब की थी। राज्य निर्वाचन आयोग ने जिला निर्वाचन अधिकारी से रिपोर्ट मांगते हुए कार्रवाई के आदेश दिए थे। इस आदेश के बाद चमरौआ विधानसभा क्षेत्र के एआरओ एवं टांडा के एसडीएम धनश्याम त्रिपाठी ने 11 मई 2019 को मुकदमा दर्ज कराया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट शोपित बंसल की अदालत ने इस मामले में सपा नेता आजम खां को दोषी करार दिया।

बांग्लादेश के दो पोर्ट अमेरिका इस्तेमाल करेगा

ढाका, 23 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने अमेरिका को दो महत्वपूर्ण बंदरगाहों के इस्तेमाल की इजाजत देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सीक्रेट जानकारी शेयर करने को लेकर भी समझौता हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और बांग्लादेश के बीच कुल तीन बड़े समझौते हुए हैं। इन समझौतों के बाद बंगाल के खाड़ी रीजन में अमेरिका की मौजूदगी और प्रभाव काफी बढ़ सकता है।

अमेरिका को बांग्लादेश के चिटगांव और मतारबाड़ी बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी। इन बंदरगाहों का इस्तेमाल अमेरिकी नौसेना और सैन्य जहाज कर सकेंगे।

इससे अमेरिका को हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में अपनी सैन्य और रणनीतिक ताकत बढ़ाने में मदद मिलेगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान-निकोबार क्षेत्र से सिर्फ 1100 किमी दूर है। अमेरिका की खास नजर मलक्का स्ट्रेट पर है। यह दुनिया के सबसे जरूरी डेड रूट्स में से एक माना जाता है। दुनिया का लगभग 60% समुद्री व्यापार इसी रास्ते से होता है। तेल,

इनमें से एक अंडमान से सिर्फ 1100किमी दूर सीक्रेट जानकारी शेयर करने का भी समझौता



गैस और अन्य जरूरी सामानों की सप्लाई के लिए भी यह मार्ग बेहद अहम है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाकर अमेरिका चीन की एक्टिविटी पर भी नजर रखना चाहता है। दो बंदरगाहों के इस्तेमाल का करार- अमेरिका को बांग्लादेश के चिटगांव और मतारबाड़ी बंदरगाह इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाएगी। अमेरिकी युद्धपोत और सैन्य जहाज यहां आ-जा सकेंगे।

खुफिया जानकारी साझा करने का करार- दोनों देश सैन्य और सुरक्षा से जुड़ी खुफिया सूचनाएं

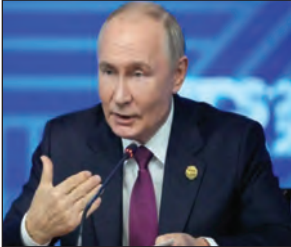
एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे। समुद्री गतिविधियों और सुरक्षा पर मिलकर निगरानी रखी जाएगी।

सैन्य और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने का करार- बंगाल की खाड़ी और मलक्का स्ट्रेट रीजन में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी बढ़ाने, समुद्री निगरानी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी है।

मलक्का को पूरी दुनिया के ट्रेड की लाइफलाइन कहा जा सकता है। यहां से तेल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनें और बाकी सामान भी बड़ी मात्रा में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचते हैं।

यूक्रेन को जवाब देने की तैयारी करो

हॉस्टल पर ड्रोन हमले से भड़के व्लादिमीर पुतिन, रूसी सेना को दिया आदेश



अभी लापता हैं। यह दिनों में रूसी पर यूक्रेन का सबसे बड़ा हमला है। पेडागोगिकल यूनिवर्सिटी के कॉलेज की पांच मंजिला डारमेट्री बिल्डिंग के अंदर 14-18 साल के 86 बच्चे मौजूद थे।

कीव में सत्ता पर कब्जा करने वाले 'नियो-नाजी शासन' ने एक स्टूडेंट हॉस्टल पर 'आतंकी हमला' किया। हमला रात में हुआ, जब स्टूडेंट्स सो रहे थे। स्टारोबिल्स्क में बच्चों पर जुलूम करके, कीव शासन और उसके हैंडलर्स दुश्मनी को बढ़ाने और लड़ाई को सुलझाने की कूटनीतिक कोशिशों को कमजोर कर रहे हैं। पुतिन ने कहा है कि

राहुल दुबे गैंग का सदस्य गिरफ्तार

हजारीबाग, 23 मई (एजेंसियां)। पुलिस ने राहुल दुबे गैंग के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। लोहसिंघना थाना क्षेत्र से जियाउल रहमान उर्फ मौजम्मिल/मुजमील (25) को हथियार और जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा गया। पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक घटना की साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। एस्पी को 22 मई की शाम करीब 6 बजे गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया कि राहुल दुबे गैंग के सदस्य लोहसिंघना थाना क्षेत्र के ग्राम रेतन में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए, एस्पी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया।

जमीन विवाद में एक युवक की हत्या

चार घायल, आरोपियों ने विधवा का घर गिराया, गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात

पलामू, 23 मई (एजेंसियां)। पलामू के चैनपुर थानाक्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प में एक 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। यह घटना रामपुर गांव के चौधरी टोला में हुई। पीड़ितों के अनुसार गांव के ही दूसरे टोला से करीब 25 से 30 लोग दोपहर में हथियार और लाठी-डंडों के साथ चौधरी टोला पहुंचे। उन्होंने वहां रहने वाले लोगों के साथ मारपीट की और गोली चला दी। इससे पहले सुबह करीब सात बजे भी आरोपी चौधरी टोला गए थे और एक विधवा महिला सुशीला कुंवर के निर्माणधीन मकान को गिराकर लौट गए थे। वे बन रहे मकान के जमीन को अपना बताते हैं। इसके बाद वो पुनः दोपहर में बाइक और चार पहिया वाहनों से आए और मारपीट की और फायरिंग की। गोली लगने से सिकंदर चौधरी (28) की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में 16 वर्षीय यशवंत कुमार, संजय चौधरी, सकेन्द्र चौधरी और उदय चौधरी शामिल हैं।

अमेरिका में इबोला का खौफ , ग्रीन कार्ड होल्डर्स की एंट्री पर लगाई रोक

कोविड महामारी में भी नहीं हुआ था ऐसा



प्रवेश लगाने का अधिकार देता है। ऐतिहासिक रूप से ग्रीन कार्ड धारकों को अमेरिका में प्रवेश संबंधी प्रतिबंधों से छूट मिलती रही है। कोविड के दौरान टाइटल 42 का आदेश उन पर लागू नहीं हुआ था। यहां तक कि राष्ट्रपति ट्रंप के विभिन्न यात्रा प्रतिबंध भी उन पर नहीं लागू हुए थे। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कांगो में इबोला के बुंदीबुग्यो बैरिएंट के तेजी से फैलने के चलते जोखिम को बढ़ाकर बहुत ज्यादा कर दिया है।

डब्ल्यूएचओ ने इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का आपातकाल घोषित किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसेस ने

शुक्रवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने कांगो के भीतर जोखिम के अपने आकलन को संशोधित किया है और अब यह ‘‘बहुत उच्च’’ श्रेणी में है, जिसे पहले ‘उच्च’ श्रेणी में माना गया था। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि क्षेत्रीय स्तर पर इबोला संक्रमण फैलने का खतरा अधिक है। लेकिन फिलहाल इसके वैश्विक महामारी में तब्दील होने की आशंका कम है।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने बताया कि कांगो लोकातंत्रिक गणराज्य में 82 मामलों और इस बीमारी के कारण सात लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

छत्तीसगढ़ में सास को पीट पर ढोकर बैंक पहुंची बहू

सर्गुजा, 23 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सर्गुजा जिले में एक बहू अपनी 90 साल की सास को पीट पर लादकर 5 किलोमीटर पैदल चलकर पेंशन लेने बैंक पहुंची।



दरअसल, कुनवा के जंगलपारा स्थित घर से डेढ़ किलोमीटर दूर एक नाला पड़ता है, जिसके कारण वहां कोई गाड़ी नहीं पहुंच पाती है। इसके बाद साढ़े 3 किलोमीटर का रास्ता और तय करना पड़ता है। महज 500 रुपए की पेंशन के लिए बुजुर्ग सास को इस तरह पीट पर लादकर ले जाने का वीडियो भी सामने आया है। परिवार बेहद गरीब है, इसलिए उन्होंने किसी से मदद भी नहीं मांगी। बहू पहले भी कई बार इसी तरह अपनी सास को उठाकर बैंक ले जा चुकी हैं।

बैंक ने अब महिला को 3 महीने की रूकी हुई पेंशन के 1500 रुपए दे दिए हैं। बहू ने बताया कि पहले बैंक मित्र घर पर ही पेंशन देने आता था, जिससे उन्हें सहूलियत होती थी। लेकिन पिछले कुछ महीनों से उसने घर

सुखमनिया ने रोते हुए बताया कि पहले बैंक मित्र तपेश घर आकर पेंशन दे जाता था, लेकिन बाद में उसने घर पर पैसा देने से मना कर दिया। यही वजह है कि 3 महीने से भटकने के बाद उस से मजबूरी में सास को ढोकर बैंक लाना पड़ा।

जंगलपारा के रास्ते में नाला पड़ने के कारण वहां कोई गाड़ी नहीं चलती, इसलिए वह पैदल ही बैंक पहुंची। बुजुर्ग सोनवारी को महतारी वंदन योजना का लाभ भी नहीं मिलता, उन्हें सिर्फ वृद्धावस्था पेंशन के 500 रुपए ही मिलते हैं। इस पूरे मामले पर नरेंद्रपुर सेंट्रल बैंक के मैनेजर मिर्जा अल्लाफ बेग का कहना है कि मैनेनपाट इलाके में वृद्धावस्था पेंशन घर तक पहुंचाने की व्यवस्था है और इसके लिए बैंक के 8 बैंक मित्र काम कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जिन्हें भी पैसा निकालना होता है, उनके परिजन अगर बैंक में सूचना दे दें तो बैंक मित्र को उनके घर भेज दिया जाता है।

तुर्की-पाकिस्तान की जुगलबंदी पर भारत का 'महाप्रहार'

कट्टर दुश्मन से मिलाया हाथ, एर्दोगान को 'जैसे को तैसा' जवाब कैसे?



अंकारा/नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। भारत और साइप्रस ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' में तब्दील करने की योजना बनाई है। दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के लिए 5 साल का रोजमैप जारी किया है जिसमें साइबर सुरक्षा पर बातचीत शुरू करने का फैसला किया गया है। इसके अलावा समुद्री परिवहन, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने का फैसला लिया गया है। ये फैसले शुक्रवार को राजधानी नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के बीच हुई मुलाकात के दौरान लिए गए हैं।

साइप्रस के साथ समुद्री परिवहन समझौता काफी महत्वपूर्ण है और इसे तुर्की के लिए जैसे का तैसा जवाब माना जा रहा है।

दोनों पक्षों ने छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें आतंकवाद-रोधी उपायों पर एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने, राजनयिक प्रशिक्षण, इन्वेशन एंड टेक्नोलॉजी, 'खोज और बचाव' कार्यों में आधिकारिक समन्वय और सहयोग स्थापित करने के अलावा उच्च शिक्षा, अनुसंधान और सांस्कृतिक सहयोग से संबंधित समझौता जापन शामिल हैं। लेकिन सबसे दिलचस्प बात ये है कि साइप्रस के शीर्ष अधिकारियों के हवाले से इंडियन एक्सप्रेस ने बताया है कि दोनों देशों ने इस क्षेत्र में तुर्की के बढ़ते प्रभाव पर भी

सहयोग से बनेगा सक्षम भारत

आईआईएसएसएम की दिशा, नीति और नीयत सही है : दुबे

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय कोयला एवं खनन राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि देशवासियों के सहयोग से ही अपना देश सक्षम, सशक्त और विकसित बनेगा। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित, सशक्त और सक्षम देश बनाने का जनता से वादा किया है। इस दिशा में सबको आगे बढ़ने की जरूरत है।

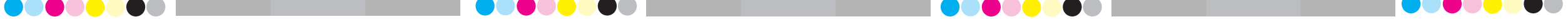
श्री दुबे आज यहां इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएसएम) के बैनर तले आयोजित 'सशक्त भारत - सक्षम भारत' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आईआईएसएसएम की दिशा,

नीति और नीयत सही है। इसलिए इसे आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, कुशल कामगार और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था ही विकसित भारत का आधार हैं। प्रधानमंत्री ने साढ़े 37 हजार रुपये गैसीफिकेशन के लिए दिया है। उस पर काम जारी है। आने वाले दिनों में अपना देश आत्मनिर्भर बनेगा। हमारे विशेषज्ञ और वैज्ञानिक इस दिशा में काम कर रहे हैं।

इससे पूर्व आईआईएसएसएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो संतोष कुमार ने देशभर से आये अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आपदाओं का स्वरूप बदल रहा है। इसलिए हमें अपनी तैयारियां भी उसी के अनुरूप

बढ़ानी होगी। जान- माल की हानि बचाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले 10 वर्षों में आपदा प्रबंधन में सरकार की सजगता दिखाई है। लेकिन हर व्यक्ति को अपनी सुरक्षा के लिए सजग रहना होगा।

समारोह को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पूर्व सदस्य प्रबंधश्री कृष्णा वत्स, राजेन्द्र सिंह, जनरल जे के बंसल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के पूर्व कार्यकारी निदेशक राजेन्द्र रतन, टी विजयकुमार, मेजर मनदीप प्रेवाल, प्रो ग्राही पारिजात, कमल संदेश के संपादक शिवशक्ति नाथ बख्शी, आईआईटी कानपुर के पूर्व प्रोफेसर जेपी गुप्ता समेत कई आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों ने संबोधित किया।





अतुल कुमार

हिंदी गद्य में व्यंग के प्रसिद्ध लेखक शरद जोशी की 21 मई को 95 वीं जयंती थी .उन जैसे लिखे स्तरीय व्यंग अब यदा कदा पढ़ने मिलते हैं . हिंदी व्यंग में कविताओं का बोलबाला रहा जिसने कई हास्य कवियों को स्थापित किया जिन्हें सुनने श्रोता या पढ़ने पाठक उत्सुक रहते हैं . लेकिन गद्य में व्यंग लेखन को यथोचित प्रोत्साहन नहीं मिला जिसका वह हकदार है . साहित्यिक कविताओं में “ हाइकु “ “ क्षणिकाएं “ और “ मुक्तक “ लेखन भी कम हो गया है जबकि कवि पंक्तियों और शब्दों में वह सटीक और तीखे होते , जो समयानुसार परिस्थितियों पर टिप्पणी करते . वास्तव में वक्त के अनुसार लेखन की शैलियों ने भी अपनी रचनात्मकता को बदला . गद्य में व्यंग लेखन को छठवे दशक से ले नवे दशक के मध्य तक जिस शिद्दत से लिखा गया वह सुनहरा इतिहास बना . अंग्रेजी में “ बिजी बी “ (बहराम कौटुंबर) के ह्यूमर को ले जो ख्याति मिली उसे रीडर्स भूले नहीं . इसमें कोई संदेह नहीं कि उनसे भी अच्छा व्यंग लेखन हिंदी में उन्हीं के काल में हुआ जिसे पाठकों ने भव्य प्रतिसाद दिया .

मुश्किल यह है कि हिंदी के

लेखकों ,कवियों , और रचनाकारों को वो ख्याति नहीं मिली या दी गयी जिसके वो अधिकारी थे . हिंदी गद्य के व्यंग लेखन को महान साहित्यकार व संपादक डा धर्मवीर भारती ने अपनी यशस्वी पत्रिका “ धर्मयुग “ के माध्यम से जो बढ़ावा दिया उससे आकर्षित हो हिंदी ह्यूमर राइटर्स ने अपनी अलग पहचान बनायी .उनको इतनी कीर्ती और यश मिला कि उनके नामोल्लेख भर से पाठक जान जाते कि व्यंग रचयिता हैं . इनमें एक प्रमुख नाम हिंदी के शीर्षस्थ व्यंगकार और पटकथा लेखक शरद जोशी का है . वह केवल एक व्यंगकार नहीं बल्कि समाज को आईना दिखाने वाले सशक्त “ ह्यूमर राइटर “ थे .

उनकी व्यंग रचनाओं में आम आदमी की पीड़ा ,राजनीति के ढोंग और रोजमर्रा की जिंदगी की विडंबनाओं को साफगोई से पेश करने की अद्भुत कला थी .उनकी कलम की धार और उनके मानवीय दृष्टिकोण को भुलाया नहीं जा सकता .”धर्मयुग” में लिखा उनका स्तंभ “ बैठे ठाले “ ने पाठकों को मुग्ध किया . उन्होंने “ नवभारत टाइम्स “ में “ प्रतिदिन “ शीर्षक से स्तंभ लिखा जिसे पाठक बड़े चाव से पढ़ते . घर – घर में वह रुचि पूर्वक पढ़ा गया . वह प्रिंट मीडिया का दौरा था जब व्यंगकार शरद जोशी की रचनाओं

वे भारत के पहले व्यंग्यकार थे, जिन्होंने पहली बार मुंबई में ‘चकल्लस’ के मंच पर गद्य पढ़ा और किसी कवि से अधिक लोकप्रिय हुए।

को दिलचस्पी व लालसा से बड़े पाठक वर्ग द्वारा पढ़ा गया .उनकी रचनाएं अंग्रेजी के समाचार पत्रों में भी प्रकाशित होतीं जो रीडर्स से अच्छा रियांसा पातीं . व्यंग साहित्य में जो विविधता शरद जोशी की रचनाओं में दिखायी दी वह किसी अन्य व्यंगकार के साहित्य में नहीं मिलती . अपने समय की समस्याओं पर जम कर लिखा . यही कारण है कि स्वातंत्रोयत्तर व्यंग लेखन के अग्रणी रहे .

भाषा का पैनापन विषयों पर सोचने को विवश करता , जिसे कहने में लोग झिझकते या सकपकाते उसे बड़ी आसानी और सरलता से लिख देते जो पाठकों के चेहरे पर बड़ी मुस्कान बिखेरता .लिखा कि “ जो लिखेगा सो दिखेगा ,जो दिखेगा सो बिकेगा यही जीवन का मूल मंत्र है “ ,” लेखक विद्वान हो न हो ,आलोचक सदैव विद्वान होता है “ “ चिडिया बेचारी परेशान ,उड़े तो कविता ,न उड़े तो



कविता ,तार पर बैठी हो या आंगन में , डाल पर बैठी हो या मुंडेर पर दुनिया “ से की उनके लिखे स्तंभ “परिक्रमा “ को पाठकों ने पसंद किया . सन 1968 में पहले ऐसे व्यंगकार बने जिन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित “ चकल्लस “ के मंच पर खड़े हो गद्य व्यंग को पढ़ा जिसे सराहा और पसंद किया गया . पहले व्यंग नहीं लिखते थे लेकिन अपने व्यंग लेखन के बूते असंख्य पाठकों के चहीते बने .

छठवे दशक में लेखन की शुरुआत प्रसिद्ध दैनिक “ नई दुनिया “ से की उनके लिखे स्तंभ “परिक्रमा “ को पाठकों ने पसंद किया . सन 1968 में पहले ऐसे व्यंगकार बने जिन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित “ चकल्लस “ के मंच पर खड़े हो गद्य व्यंग को पढ़ा जिसे सराहा और पसंद किया गया . पहले व्यंग नहीं लिखते थे लेकिन अपने व्यंग लेखन के बूते असंख्य पाठकों के चहीते बने .

और ऐसा लिखा कि पाठक उनको पढ़ लोटपोट हुए . लिखा कि “ जीवन का विश्लेषण करना अजीब लगता है . बढ चढ कर कहना कि जीवन संघर्षमय रहा .लेखक होने के कारण दुखी जीवन जिया कहना फिज़ूल है .जीवन होता ही संघर्षमय है .किसका नहीं होता ? लिखने वालों का होता है तो क्या अजब होता है . शरद जोशी के व्यंग परिस्थिति जन्य होते न कि बाज़ार के चले चलाये फार्मूलों की तरह जिसमें जबरन हास्य पैदा करने की टिपिकल पैतरे बाज़ी की जाती है इसलिये वो जन सामान्य के अपने व्यंगकार हुए जिन्होंने पाठकों के दिलों पर राज किया .

नये – नये आये टेलिवीजन युग में “ ये जो है जिंदगी “ सीरीयल को इतने विनोदपूर्ण अंदाज़ में लिखा कि दर्शक उस पर फिदा हुए .उसे मिस करने का मतलब होता कि एक

हंसोड कडी को देखने से वंचित होना . तब यू ट्यूब होता न कोई चैनल, टी वी के इस मनोरंजक सीरीयल ने दर्शकों को सदा अपने से जोड़े रखा क्यों कि उसमें शरद जोशी के हास परिहास का ऐसा तडका होता कि दर्शक हंस्ते – हंस्ते जीवन के मर्म को समझते .यह सन 1984 मे प्रदर्शित देश का पहला सुपर हिट कामेडी शो था जो आम

मिडिल क्लास फैमिली के दैनिक जीवन और उनकी समस्याओं पर आधारित था . शो की विशेषता थी कि इसमें बनावटी हंसी का इस्तेमाल नहीं होता था .और आज ?

हास्य – व्यंग और शरद जोशी एक दूसरे के पर्याय बने . 25 सालों तक कवि सम्मेलनों के मंचों से गद्य व्यंग को सुना लोगों को खूब हंसाया .उनके प्रसिद्ध नाटक हैं “ अंधों का हाथी “ “ एक था गधा “ और “ लक्ष्य की रेखा “ आदि प्रसिद्ध व्यंग संग्रह हैं “ हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे “ “ यथा संभव “ “ यत्र तत्र सर्वत्र “ “ तुम कब जाओगे अतिथि “ और “ परिक्रमा “ इत्यादि . टी वी सीरीयल “ ये जो है जिंदगी “ के अलावा “ विक्रम बेंताल “ “ सिंहासन बत्तीसी “ “ वाह जनाव “ और “ दाने अनार के “ आदि लिखे . फिल्म “ छोटी सी बात “ “ गोधूलि “ “ उत्सव “ और “ दिल है कि मानता नहीं “ कि पट कथा लिखी . आठवे दशक की प्रसिद्ध पत्रिका “ रविवार “ में उनका लिखा स्तंभ “ नावक के तीर “ ने पाठकों से खूब ठहाके लगावये

. भारत सरकार द्वारा साहित्य में उनके असाधारण योगदान के लिये सन 1990 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया .5 सितंबर 1991 को संसार को अलविदा कहा . व्यंग लेखन को जो नये आयाम दिये वह अमिट रहेंगे . कहा जाता है कि “किसी को हंसाना सबसे कठिन होता है “ लेकिन शरद जोशी ने इसे साकार किया .

मेरी कलम से

शुभ चिंतक बन कर रहे कलियुगी लोग प्रहार समझ नहीं आता हमें इनके कलुषित विचार । करते व्यवहार हैं मधुर सदा रहते हरदम ताक मौका पाते ही करते दिल पर सदा आघात । करना कभी यकीं नहीं होते ये हैं हिंसक कष्ट में तुमको पता चलेगा है कौन तेरा शुभचिंतक ।
मीठा- मीठा बोल के पिलाए झूठ की घुट्टी इनकी पोल जब खुल जाती तो फिर कर लेते कट्टी । इनसे बचके रहो सदा ये कर देंगे गुमराह इनकी बात जो सुन चले तो भटक जाओगे राह ॥



डॉ संजूला सिंह जनशेदपुर

करते हो झगड़ा ही क्यों। आज नहीं तो कल सुभर जाओगे यह समझे थे हम, जाना नहीं स्वभाव तुम्हारा इस क्रदर अकड़ा ही क्यों। तुम हमारी भावनाओं की अगर करते क्रदर, तो यह नौबत ही क्यों आती होता यह लफड़ा ही क्यों। मान लीजें कहना मेरा भूलकर सब कुछ हुआ, बैठिये और सोचिए अपना हुआ झगड़ा ही क्यों।

हवा के झोंकों पर सवार पैगाम

हौले हौले से स्पर्श करती हवाओं ने, जब हवाओं पर लिखकर सलाम भेजे, तो जैसे दूर दराज के परदेसियों ने, अपनी सलामती के पयाम भेजे। कभी बासंती बयार ने प्यार से सहलाया, तो कभी शीत लहर ने ठंड से ठिठुराया, सावन की मल्हारी बूंढों पर सवार झोंकों ने, मानो,मन को स्निग्ध शीतलता से दुलराया। अलग-अलग दिशाओं से विचरते बादलों ने, बिजली संग मिलकर बयार को धमकाया। हवा का हर एक झोंका एक नई कहानी है लाया, विविध दिशाओं से दिल का फरमान है सुनाया।। पुरवइया का हर एक झोंका, हर दिल की रवानी है, सांसें के तारों को सुरों से सजाने वाली कहानी है, हवा के झोंकों की तरह गतिमान रहो, कहना है इसका, क्योंकि एक गति है, एक लय-ताल है हवा का झोंका, प्राणवायु का अनवरत संचार है, हवा का झोंका, एक अनमोल संदेश है, एक पैगाम है हवा का झोंका।।



डॉ शोभा भंडारी हैदराबाद

क्यों कब कैसे

जिसने हमें सिखाया लड़ना वह खुद रग से भाग गया,
मीठी नींद सुलाकर सबको खुद जाने कब जाग गया।
जाने क्या क्या सपन संजोए क्या क्या बनी योजना मिल कर ,
मेरे अरमानों के वन में क्यों सुलगा कर आग गया ।
अभी तो आई थी हरियाली अभी बहार का मौसम आया,
हरे भरे मेरे जीवन का पूरा उजाड़ कर बाग गया।
व्यर्थ हुआ सब पूजन अर्चन मंत्रोच्चारण व्यर्थ हुआ,
भावनाओं से खेल कर कर के सब कुछ त्याग गया।
न सोचा क्या होगा मेरा कैसे नदिया पार करूंगा,
पहुँचो जब मझधार में नैया पतवार छोड़ कर भाग गया।
मधुर मधुर झंकार भरी थी पग पग था गीतों का गुंजन,
संगीत युक्त मेरे जीवन का क्यों सब राग विराग गया।
कैसे कहाँ मैं ढूँढ़ूँ उसको कैसे पास बुलाऊँ अपने,
न मालूम कोई ठौर ठिकाना न कोई छोड़ सुराग गया।



पी एन गुप्ता हैदराबाद

सूरत और सीरत

ये वाणी , सदा सच बोले झूठ से बचे , निंदा में न फंसे
ये आंखें अनमोल है बुरा न देखें ,
सुंदरता की साक्ष्य बने , हर पहलू के दो रूप –
अच्छा और बुरा
' विवेक ' से काम लें
सही निर्णय करें ।
सूरत में आकर्षण है ' सीरत ' है सच का रूप
मनुष्य की सच्ची पहचान ।



गजानन पाउडेय

आवारा आतंक का साया...!

गलियों में डर का साया है, हर चेहरा अब घबराया है।
नन्हें मासूमों की चीखों से, शहर-गाँव तक कपया है।
कभी इन बच्चों पर हमला, कहीं बुजुर्ग होते लहलुहान।
हर एक 'रोज़' सुनते घटना,



संजय एग्न. तराणेकर , इंदौर

काव्य कुंज

देख काँप जाता हिन्दुस्तान।
दया तो सभी 'जीवों' पर हो,
यहीं संस्कृति की हैं पहचान।
पर मानव जीवन से बढ़कर,
कीमती हैं हम सभी के प्राण।
यूँ सड़कों पर आतंक न फैले,
जागृत हो ऐसी कोई राह बने।
हमारी संवेदनाएँ 'जीवित' रहे,
जन-जन की भी आवाज बने।
इसमें न हो क्रूरता, न लाचारी,
बिन्द्यास होकर 'जीता' ईसान।
कुछ व्यवस्था ऐसी कायम हो,
सुरक्षित हो हर एक की जान।

छोटी-छोटी सी खुशियाँ

छोटी-छोटी सी खुशियाँ,
महकाती जीवन की बगिया,
चेहरे पर मुस्कान खिलाती,
अनूठी पहचान बन जाती,
बूँद-बूँद खुशी का प्राणायाम,
तन-मन को देती आराम,
दु-खों के बादल मिटाती,
सुकून की बारिश बन जाती ।
भावों की मीठी-मीठी मिसरी,
मन की चमकीली दिवरी,
परिवार में प्रेम बढ़ाती,
पल-पल को नव रंगों से सजाती,
जीवन का बन हिस्सा,
अगली-पिछली यादों का किस्सा,
प्रेम भाव साझा करती,
भीतर-बाहर को मधुरम बनाती ।
भावों की रसीली मंजरी,
यादों की बनकर सुंदर गठरी,
जीवन में आस उजास भरती,
संजीवनी सी ये बहती,
खुशियों का कारण बन जाना ,
रूआनंदरू जीवन में बहाना,
खुशियाँ दिलों को पास लाती,
जीवन अनुराग बढ़ाती ।
जो लेना भरपूर वर्तमान,
कल क्या होगा किसकी ज्ञान,
खुशियाँ ढाल बन जाती,
सकारात्मकता को ये बढ़ाती,
सबसे पहले है परिवार,
मत रोकना खुशियों की धार,
ये साथ को दिलचस्प बनाती,
सार्थक एहसास जगाती ।
चार दिन की जिंदगानी,
कब खत्म हो अपनी कहानी,
बड़ों छोटों को लुभाती,
ये परिवार को नेह से सजाती,
छोटी-छोटी खुशियों का बन गीत,
जग में फैलाना प्रीत,
ये मन-मस्तिष्क का द्वंद्व मिटाती,
अहम को भी घटाती ।



मोनिका डागा, चेन्नई

छू लेना चाहता है अनंत गगन।
किन्तु जन्म लेते ही मानव

उलझ जाता है संसार के जाल में,
कभी झूठ, कभी फरेब,
कभी अपनों से ही बने सवाल में।
जीवन की अंतिम मंजिल मृत्यु है,
होने दें वर्षा की फुहार।
यह सत्य सभी जानते हैं,
फिर भी न जाने क्यों
मोह-माया में भटकते रहते हैं।
हर जन्मदिन पर मन पूछता है—
क्या पाया और क्या खोया?
कितनों को अपना बना पाया,
और कितनों से नाता खोया?
धरा पर भटकता रहा ईसान
अनजान राहों की तलाश में,
जो मिला उसे कम ही लगा
नई इच्छाओं की प्यास में।
जानता है मानव कि
खाली हाथ ही जाना है,
फिर भी जीवन भर
संसार सजाना है।
आज इस दिवस पर
बस इतना सा एहसास हुआ—
ऊँची उड़ानों से बड़ा सुख
अपनों के बीच लौट आना हुआ।
यदि प्रेम, अपनापन और सुकून मिला,
तो यही जीवन की सच्ची जीत है,
वरना सब कुछ पाकर भी
मन भीतर से अधूरा ही रहता है।

तन्हाइयों ने मुझे सँवार दिया

कोई मेरी सलामती की कैसे देगा दुआ,
हर किसी ने तोहफा मुझे ज़र्रम का दिया।
दिल में धुओं भरा, लब खामोश ही रहे,
आँखों ने चुपके-चुपके हर दर्द बयां किया।
जिस पर किया यकीं वही पत्थर हो गया,
अपनों ने वफ़ा का चेहरा बदल सा दिया।
तन्हाइयों ने मुझको इतना सँवार दिया,
महफ़िल ने मेरे हिस्से बस फ़ासला दिया।
मैं टूटकर भी रोज सँभलता रहा मगर,
किस्मत ने हर खुशी को दरवाज़ा दिखा दिया।
अब कौन मेरे दिल की हिफ़ाज़त करेगा
जिसने पास आकर भी मुझे रुला दिया।
संजीव तेरे दर्द की इंतहाई क्या कहें,
अशकों ने मेरी रूह को दरिया बना दिया।



संजीव दाकुर, रायपुर

मौसम में गर्मी भारी है

इस मौसम की बलिहारी है।
मौसम में गर्मी भारी है।।
है ताप लिए विकराल चली,
ये पवन करे बेहाल बली।
क्यों क्रोधित सूर्य हुते दिखते,
धरती को लगता गई छली।।
अब कौन बचा हितकारी है।
मौसम में गर्मी भारी है।।
तपती धरती का रूप देख।
अब दूर क्षितिज पर मेघ-रेख।
मन में जगती है आस खास।
कानों में गूँजे मधुर लेख।।
फिर भी फैली लाचारी है।
मौसम में गर्मी भारी है।।
नदियाँ-नाले सूखे सारे।
हैं प्राण निकल लगते हारे।



राज किशोर ववालियर

ज्वाला सी लिपटी पवन चले।
लगते हैं त्राहि-त्राहि नारे।।
होती जीवन की ख्यारी है।
मौसम में गर्मी भारी है।।
प्यासी चिड़िया है भटक रही।
पशुओं को गर्मी खटक रही।
अब कुम्हाहे सब फूल कली,
पीड़ा इन सबकी कौन कहीं।

खुद पीड़ित सब नर-नारी है।

मौसम में गर्मी भारी है।।

जलती धरती की सुन पुकार।

मेघों ने सोचा कर विचार।

धरती का संकट दूर करें।

होने दें वर्षा की फुहार।

अब वर्षा-ऋतु की बारी है।

मौसम में गर्मी भारी है।।

हैं कुदृ गगन में सूर्य खड़ा।

जब पावक बरसाने हुआ अड़ा।

अनुराग जगा तब मेघों का।

तब सृजन ध्वंस से हुआ बड़ा।।

ये प्रेम सदा जयकारी है।।

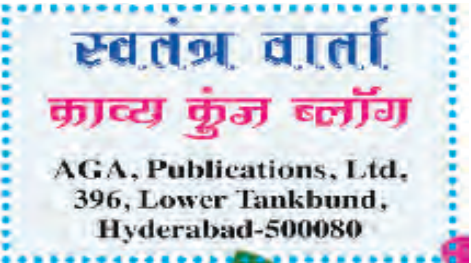
मौसम में गर्मी भारी है।।

रिशतों का झुरमुट

देखो ! मैं तुम्हारे आंगन में उगा
रिशतों का झुरमुट हूँ
माता पिता द्वारा तुम्हें मिला
एक अनुपम धरोहर हूँ ।
पर आज उपेक्षाओं की तपिश में,
देखो कैसा सूख रहा हूँ
व्यथित हूँ, अब कोई भी सगा
नहीं स्नेह से मुझे सींचता ।
स्वातंत्र के सारे खर पतवार,
मेरे तन को घेर रहें
द्वेष के दीमक हिंसक बन कर
मेरी जड़ों को चाट रहे ।।
एक कसक सी होती है मन में,
क्यों तुमने मुझको दिया भुला
मन की स्नेह भरी धारा को
कैसे तुमने है दिया सुखा ।।
यदा कदा ही आकर सींचते,
फिर कभी प्यार से सहलाते
अस्तित्व हमारा क्यों खोता
एक क्षण जो ध्यान दिया होता ।।
कोई तो फूल खिला होता,
जो सब के मन को महकाता
कोई तो फल हो जाता
जो मीठा सा रस दे जाता ।।
शायद मैं भी पा जाता,
पीपल सा सघन विस्तार
अपनी शीतल छाया देकर
थके क्षणों में करता मनुहार ।।
दृढ़ विश्वास की नई धरा दे,
मुझ को नूतन संबल दे दो
दे उदारता की उर्वरता
नूतन उत्कर्ष का अवसर दे दो ।।
फिर से शाखों पर नूतन पल्लव उग जाएंगे ,
रूप मनोहर भी पा जायेंगे
हरित डालियों के पोरों पर
फूल रंगीले खिल जायेंगे ।।
शीतल बयार के झोंकों से,
तन मन शीतल हो जायेंगे
पावस में झूला डाल सको
इतना तो सबल बनाओ ।।
जब भरी कजरी गा कर,
प्रेम मिल हर्षित मन झूलोगे
जीवन के सब कटु क्षणों को
निश्चय ही तुम भूलोगे ।।



कौशलया गुप्ता, हैदराबाद



● पेट्रोल से आगे की यात्रा... ●

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

देश में लगातार बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतें आम आदमी की जेब पर भारी पड़ रही हैं। हर बार कीमतें आसानी से बढ़ती हैं तो सबसे ज्यादा असर मध्यम वर्ग, किसानों और छोटे व्यापारियों पर पड़ता है। भारत जैसे विशाल देश में, जहां करोड़ों लोग रोजाना अपने काम के लिए वाहनों पर निर्भर हैं, वहां इंधन केवल सुविधा नहीं बल्कि आर्थिक जीवन की धुरी है। यही कारण है कि अब वैकल्पिक ईंधन की चर्चा तेज हो गई है और इस चर्चा के केंद्र में है — एथेनॉल।

भारत का पिछले कुछ वर्षों से पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। पहले ए10 यानी 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल था, फिर E20 को दिशा में कदम बढ़े और अब भविष्य में E85 तथा E100 जैसे विकल्पों पर भी विचार हो रहा है। सवाल यह है कि क्या एथेनॉल का भारत में केवल के लिए उच्च क्रांति साबित होगा, या फिर यह केवल एक प्रयोग बनकर रह जाएगा? एथेनॉल का मूल रूप से एक प्रकार का अल्कोहल आधारित जैव ईंधन है। इसे गन्ने के रस, मक्का, गेटेरो पेट्रोल और अन्य कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है। पेट्रोल में इसे मिलाने से कच्चे तेल पर निर्भरता कम होती है और प्रदूषण में भी कुछ हद तक कमी आती है। भारत जैसे देशों से अयात, जो अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से लिया करता है, यह रणनीति आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। हर साल अरबों डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार तेल आयात में खर्च होता है। यदि एथेनॉल मिश्रण बढ़ता है तो आयात बिल घट सकता है और देश ऊर्जा के मामले में अधिक आत्मनिर्भर बन सकता है।

सरकार का दावा है कि एथेनॉल मिश्रण से किसानों को भी फायदा होगा। गन्ना किसानों को अतिरिक्त बाजार मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई ताकत मिलेगी। लंबे समय से चीनी मिलों पर किसानों का भुगतान बकाया रहने की समस्या रही है। एथेनॉल उत्पादन बढ़ने से मिलों की आय बढ़ेगी और किसानों को समय पर भुगतान मिलने की संभावना मजबूत होगी।

रुपये की कमजोरी को चाहिए बड़ा उपचार

भारतीय रुपया लगातार दबाव में है। डॉलर के मुकाबले इसकी कमजोरी अब केवल विदेशी मुद्रा बाजार की हलचल भर नहीं रह गई, बल्कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था की गंभीर नीतियों/कार्रवायों का संकेत बनती जा रही है। अक्सर जब रुपया गिरता है तो सलाह दी जाती है कि पेट्रोल कम खर्च करें, सोना कम खरीदें या विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता घटाएं। पहली नजर में यह बातें तर्कसंगत लगती हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि रुपये की कमजोरी का असली कारण कहीं ज्यादा गहरा और संरचनात्मक है। केवल उपभोग कम कर देने से मुद्रा मजबूत नहीं होती; उसके लिए निवेश, नीति और बाजार में भरोसा जबरन उलट कर पड़ता है।

इस वर्ष भारतीय शेयर बाजार और रुपया दोनों दबाव में दिखाई दिये हैं। विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से बड़ी मात्रा में पूंजी निकाली है। जब विदेशी निवेशक अपना पैसा निकालते हैं तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया कमजोर पड़ जाता है। यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक के कई हस्तक्षेपों के बावजूद रुपये की गिरावट पूरी तरह नहीं रुक पाई। यह स्थिति केवल मुद्रा बाजार का संकेत नहीं, बल्कि निवेशकों के भरोसे में आई कमी का संकेत भी है। एशियाई बाजारों की तुलना करें तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। दक्षिण कोरिया का KOSPI, ताइवान का TAIEX और जापान का Nikkei बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि भारत अपेक्षाकृत पीछे दिखाई देता है। इसका कारण केवल वैश्विक परस्थितियाँ नहीं हैं, बल्कि भारत में निवेश को लेकर मौजूद अविश्चितताएं भी हैं। विदेशी निवेशक स्थिरता चाहते हैं। वे ऐसे बाजारों में पैसा लगावा

होगी। यही कारण है कि सरकार इसे "हरित ऊर्जा" और "ग्रामीण अर्थव्यवस्था" दोनों से जोड़कर देख रही है। लेकिन तकनीक का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सबसे बड़ा वास्तव वाहनों की तकनीकी क्षमता को लेकर है। अभी भारत में अधिकांश वाहन E10 है। सीमित रूप से E20 के अनुरूप बनाए जा रहे हैं। लेकिन E85 या E100 जैसे उच्च मिश्रण वाले ईंधन के लिए इंजन तकनीक में बड़े बदलावों की जरूरत होगी। पुराने वाहन विशेष रूप से इस बदलाव से प्रभावित हो सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि कई पुराने इंजनों में एथेनॉल अधिक मात्रा में ईंधनमाल होने से माइलेज घट सकता है, इंजन पर दबाव बढ़ सकता है और कुछ धातु या रबर के हिस्सों को नुकसान पहुंच सकता है। यही कारण है कि वाहन कंपनियों धीरे-धीरे "फ्लेक्स-फ्यूएल" तकनीक पर काम कर रही हैं। यह ऐसी तकनीक है जिसमें वाहन अलग-अलग अनुपात वाले ईंधन पर चल सकता है। ब्राजील जैसे देशों में यह मॉडल सफल रहा है, जहाँ लोग अपनी जरूरत और कीमत के हिसाब से पेट्रोल या एथेनॉल मिश्रित ईंधन को चुनाव कर सकते हैं। भारत भी उसी दिशा में आगे

बढ़ना चाहता है, लेकिन यहाँ चुनौतियाँ कहीं ज्यादा बड़ी हैं। भारत में करोड़ों पुराने वाहन सड़कों पर हैं। यदि नई चुनौती लगाना होती है तो क्या आम लोग अपनी कारों को बदल पाएँगे? क्या नई तकनीक वाले वाहन सस्ते होंगे? और सबसे बड़ा सवाल क्या पेट्रोल पंपों का ढाँचा इस बदलाव के लिए तैयार है? केवल घोषणा कर देना आसान है, लेकिन पूरे देश में नई ईंधन व्यवस्था लागू करना बेहद कठिन कार्य है।

एक ओर चिंता खाद्य सुरक्षा को लेकर है। एथेनॉल उत्पादन के लिए बड़ी मात्रा में कृषि उत्पादों की जरूरत होगी। यदि गन्ना, मक्का और अन्य खाद्यान्न का उपयोग ईंधन बनाने में अधिक होने लगे, तो खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। पहले ही देश में महंगाई एक गंभीर मुद्दा है। ऐसे में यदि खेती का बड़ा हिस्सा ईंधन उद्योग की ओर मुड़ता है, तो भोजन और ईंधन के बीच संतुलन बनाना चुनौती बन सकता है। पर्यावरण के नजरिए से भी यह बहस पूरी तरह एकतरफा नहीं है। एथेनॉल को पेट्रोल की तुलना में अपेक्षाकृत स्वच्छ ईंधन माना जाता है, लेकिन इसके उपयोग में भारी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती

स्थिर नीति, मजबूत निवेश और भरोसेमंद बाजार



पसंद करते हैं जहां नीतियां स्पष्ट हों, नियम अचानक न बदलें और पूंजी निकालने या लगाने की प्रक्रिया सरल हो। भारत में कई बार नियमों में अचानक बदलाव और टैक्स संबंधी विवाद निवेशकों को असहज कर देते हैं।

हाल ही में केमन द्वीप स्थित निवेश कंपनी "हर्जर ग्लोबल" से जुड़ा मामला भी इसी विंका को सामने लाया है। कंपनी ने अपनी हिस्सेदारी बेचने के कोशिश की, लेकिन टैक्स और नियामकीय विवादों के कारण मामला अदालत तक पहुंच गया। कानूनी दृष्टि से सरकार का पक्ष मजबूत हो सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय निवेशक ऐसे मामलों को जोखिम के रूप में देखते हैं। उनके मन में यह धारणा बनती है कि भारत में नियमों की व्याख्या बदल सकती है और लंबे समय तक अनिश्चितता बनी रह सकती है। यही कारण है कि कई विदेशी

मंजूरी की कमी महसूस होती है। यदि इन क्षेत्रों में बड़े स्तर पर विदेशी और घरेलू निवेश आए तो रोजगार बढ़ेगा, निर्यात मजबूत होगा और डॉलर कमाने की क्षमता भी बढ़ेगी। तब रुपये पर दबाव

यतः कम हाने लागे। रुपय को कमजोरी को असर आम लोगो पुरी सीधे पड़ता है। कच्चा तेल महंगा होता है, पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ती हैं आयातित वस्तुएं महंगी हो जाती हैं और महंगाई बढ़ने लगती है। विदेश में पढ़ाई, यात्रा और आयात काधारित उद्योगों की लागत भी बढ़ जाती है। यानी आमजोर रुपया सिर्फ एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि आम नागरिक की जेब से जुड़ा मुद्दा है। हालांकि समाधान असंभव नहीं हैं। सबसे पहले सरकार और नियामक संस्थाओं को यह संदेश देना होगा कि भारत एक स्थिर और भरोसेमंद निवेश

है। गन्ना पहले से ही पानी अधिक खपत करने वाली फसल है। ऐसे में जल संकट डोल रहे राज्य में अगर ऊर्जा आधारित नीति पर गंभीर चिंतन जरूरी है। एथेनल ऊर्जा के कनेक्शन के नाम पर जल संकट और हारा हो जाए, तो यह समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन जाएगी। हालांकि इसके बावजूद यह भी सही है कि दुनिया तेजी से परंपरिक ईंधन से दूर जा रही है। इलेक्ट्रिकल वाहन जैसे हाइड्रोजन, बायोपेट्रोल और अन्य केवेलिकल ऊर्जा को स्रोत भविष्य की जरूरत बनते जा रहे हैं। भारत यदि समय रहते इस बदलाव में भागीदारी नहीं करेगा, तो वैश्विक प्रतियोगिता में पीछे रह सकता है। इसलिए एथेनल को केवल ईंधन नहीं बल्कि ऊर्जा संक्रमण के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखना होगा।

आने वाले समय में भारत की सड़कें शायद अलग देखें। पेट्रोल पंपों पर E10, E20, E85 और इलेक्ट्रिकल चार्जिंग स्टेशन सच दिखाई दें। उपभोक्ता अपनी गाड़ी की तकनीक और बजट के अनुसार ईंधन चुनें। लेकिन इस भविष्य तक पहुंचने के लिए सरकार वाहन कर्मियों और उपभोक्ताओं को मिलकर जिम्मेदारी निभानी होगी। सरकार को स्पष्ट नीति, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी जागरूकता पर काम करना होगा। वाहन कर्मियों को सुरक्षित और कैम्पेयती तकनीक विकसित करनी होगी। वहां उपभोक्ताओं को भी बिना पूरी जानकारी के केवल प्रचार के आधार पर निर्णय लेने से बचना होगा। एथेनल भारत के लिए अवसर भी है और परीक्षा भी। यह देश को आत्मनिर्भर ऊर्जा को दिशा में ले जा सकता है, किसानों की आय बढ़ा सकता है और प्रदूषण कम करने में मदद कर सकता है। लेकिन यदि योजना अधूरी रही, तकनीक कमजोर रही या संसाधनों का संतुलन बिगड़ा, तो यह नई परेशानीय भी पैदा कर सकता है।

इसलिए जरूरत उत्साह से ज्यादा संतुलित दृष्टि की है। ऊर्जा का भविष्य केवल ईंधन बदलने से नहीं बनेगा, बल्कि दूरदृष्टि, वैज्ञानिक सोच और जिम्मेदारी नीति से बनेगा। भारत आज अंतिम मोड़ पर खड़ा है, जहाँ लिए एफसैले आने वाले दशकों की दिशा तय करेंगे।

गंतव्य है। टैक्स और नियामकीय मामलों में पारदर्शिता बढ़ानी होगी। पुराने मामलों को नए नियमों के आधार पर खोलने की प्रवृत्ति से बचना होगा। निवेशकों को यह भरोसा चाहिए कि उनकी पूंजी सुरक्षित रहेगी और नियमों में अचानक बदलाव नहीं होगा।

पूरा बड़ा कदम बुनियादी क्षेत्रों में निवेश को तेज करना है। विनिर्माण और निर्यात आधारित उद्योगों को मजबूत किए बिना रुपया लंबे समय तक मजबूत नहीं रह सकता। भारत को केवल एक बड़ा उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने की दिशा में तेजी से बढ़ना होगा। चीन के वैकल्पिक रूप में दुनिया भारत की ओर देख रही है, ऐसे में यह अवसर रवाना नहीं चाहिए। तीसरा, भारतीय रिजर्व बैंक को भी बाजार को स्पष्ट संकेत देने होंगे। केवल डॉलर बेचकर रुपये को बचाना अस्थायी समाधान नहीं है। मौद्रिक नीति, व्याज दरों और विदेशी निवेश को लेकर स्थिर संदेश देना जरूरी है ताकि बाजार में भरोसा बना रहे।

आधुनिककाल के दृष्टि से सद्यः ता मजबूत रुपका कवल अवस्थेसी मुद्रा भंडार से नहीतन बल्लिक मजबूत अर्थस्यमय्य, भारोसेमंद नीतियों और स्थिर निवेश वातावरण से बनता है। यदि भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनना है तो उसे निवेशकों का विश्वासोत्साहन जीतना ही होगा। केवल पेट्रोल बचाने या सोना कम खरीदने की अपील से रुपका की कमजोरी दूर नहीं होगी। इसके लिए अर्थव्यवस्था की बुनियादी संरचना को मजबूत करना होगा, ताकि दुनिया भारत को सिर्फ एक बाजार नहीं, बल्लिक भारोसेमंद आर्थिक शक्ति के रूप में देखे।

सिनेमा से सत्ता तक : क्या विजय लिखेंगे तमिल राजनीति का नया अध्याय?

भारतीय राजनीति में तमिलनाडु एक ऐसा राज्य है, जिसेना केवल मूलभूतोजन का समर्थन नहीं, बल्कि संभावनाओं, सामाजिक आंदोलनों और राजनीतिक चेतना का सबसे भावशाली माध्यम रहा है। यहां फिल्म के नायक केवल परदे तक सीमित नहीं रहते, बल्कि जनता के दिलों में उत्तरक राजनीतिक नेतृत्व का पत्र जाते हैं। यही कारण है कि तमिल राजनीति में अभिनेता और नेता के बीच की दूरी हमेशा बहुत कम रही है। अभिनेता विजय की राजनीतिक सफलता ने इस पर एक बार फिर नई ऊर्जा दे दी है।

विजय लंबे समय से तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रियताओं में गिने जाते हैं। उनकी फिल्मों में अस्पर व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष, गरीबों के पक्ष में खड़े वाला नायक और व्यवस्था परिवर्तन का संदेश दिया जाता है। यही छविधर्म-धर्म राजनीतिक जमीन बदलती चली गई। आज जब उन्होंने राजनीति औपचारिक रूप से कदम रखा है, तो तमिलनाडु राजनीति में हलचल स्वाभाविक है। सवाल केवल नहीं कि विजय राजनीति में आए हैं, बल्कि यह है क्या वे वास्तव में सत्ता के समीकरण बदल सकते हैं।

तमिलनाडु की राजनीति का इतिहास इस संभावना पूरी तरह खारिज भी नहीं करता। यहां एमजी रामचंद्रानी एमपीआर और जे. जयललिता जैसे नेताओं फिल्मों की लोकप्रियता के राजनीतिक ताकत बदलकर लंबे समय तक सत्ता पर राज किया

एमजीआर ने पर्दे पर गरीबों के मसीहा की छवि और वही छवि उन्हें जनता के बीच असंशय लोकप्रियता दिलाती गई। उनके बाद जयललिता फिल्मी स्टारडम को राजनीतिक नेतृत्व में बदला। जनता ने उन्हें केवल अभिनेत्री नहीं, बल्कि “अमर” रूप में स्वीकार किया।

यही परंपरा आज विजय के सामने भी प्रेरणा
खड़ी है। लेकिन आज का दौर पहले जैसा न
राजनीति अब केवल करिश्मे या लोकप्रियता
चलती। सोशल मीडिया, तेज राजनीतिक प्रति
जातीय समीकरण, क्षेत्रीय असंतुलन और युवा
बदलती अपेक्षाएँ राजनीति को कहीं अधिक जटि
चुकी हैं। इसलिए विजय के सामने अवसर जितन
हैं, चुनौती भी उतनी ही कठिन है।

विजय की सबसे बड़ी ताकत उनका विशाल समर्थक वर्ग है। तमिलनाडु में उनकी फैफ के केवल फिल्मों तक सीमित नहीं रहे। उनका प्र संगठन लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों, कार्यों और जनसंपर्क अभियानों में सक्रिय रहे हैं। नेटवर्क अब राजनीतिक संगठन की नींव बन सका है। यही कारण है कि राजनीतिक दल विजय की ए केवल फिल्मी घटना नहीं, बल्कि संभावित राजा खतरे के रूप में देख रहे हैं। दिलचस्प बात यह विजय ने खुद को पारंपरिक राजनीति से थोड़ा प्रस्तुत करने की कोशिश की है। वे युवाओं, रो



शिक्षा और प्रथाचार जैसे मुद्दों को प्रमुखता दे रहे हैं। उनकी छवि एक ऐसे नेता की बनाई जा रही है, जो पुरानी राजनीतिक शैली से अलग नई राजनीति की बात करता है। तमिलनाडु के शहरों और मध्यम वर्गीय युवाओं में यह संदेश असर डालता दिखाई दे रहा है।

हालांकि राजनीति केवल भावनाओं पर नहीं चलती। चुनाव जीतने के लिए मजबूत संगठन, सूक्ष्म तरक पकड़ना, अनुभवी नेतृत्व और सामाजिक समीकरणों की समझ जरूरी रहेगी। यही वह क्षेत्र है जहां विजय को सबसे अधिक मेहनत करनी होगी। फिल्मों में नायक अकेले व्यवस्था बदल देता है, लेकिन राजनीति में चाहिए परिवर्तन के लिए सामूहिक रणनीति और धैर्य चाहिए होता है।

तमिलनाडु की राजनीति दशकों से द्रविड विचारधारा के



ईद-गिद घूमती रही है। डीएमके अ
एआईएडीएमके जैसे दलों
सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय पहचान उ
भाषा आधारित राजनीति के स
मजबूत आधार बनाया। ऐसे में कि
नए दल के लिए जगह बना
आसान नहीं होता। विजय को केव
लोकप्रिय अभिनेता नहीं, बल्कि
वैचारिक रूप से गंभीर नेता के र
में खुद को स्थापित करना होगा। पि
भी यह स्वीकार करना पड़ेगा।
उनकी एंटी ने तमिल राजनीति में

बहस पैदा कर दी है। खासकर युवाओं में राजनीति प्रति नई रुचि दिखाई दे रही है। लंबे समय से पारंपरिक राजनीति विकल्पों से निराश वर्ग अब नए चेहरे उम्मीद तलाश रहा है। विजय इसी उम्मीद का प्रतिबन्त देखाई दे रहे हैं।

शोशल मीडिया ने भी विजय को राजनीतिक यात्रा गति दी है। आज उनकी हर रैली, भाषण और बयान तुरंत लाखों लोगों तक पहुंचता है। डिजिटल दौर लोकप्रियता पहले से कहीं अधिक तेजी से राजनीति समर्थन में बदल सकती है। लेकिन यही शोशल मीडिया किसी भी गलती को भी तुरंत बड़ा मुद्दा बना देता है। इसलिए विजय को अपनी राजनीतिक भाषा और रणनीति दोनों में संतुलन बनाए रखना होगा।

एक महत्वपूर्ण पहलु यह भी है कि तमिलनाडु की जनता भावनात्मक जरूरत है, लेकिन राजनीतिक रूप से बेवद्वेषता का एक भी मानी जाती है। यहाँ मतदाता केवल स्तराडम से प्रभावित होकर स्थायी समर्थन नहीं देता। जनता विकास, प्रशासनिक क्षमता और जनहितकारी नीतियों की भी गंभीरता से देखती है। इसलिए विजय को यह साबित करना होगा कि वे केवल लोकप्रिय अभिनेता नहीं, बल्कि शासन चलाने की क्षमता रखने वाले नेता भी हैं। दरअसल तमिलनाडु की राजनीति में सिनेमा का प्रभाव केवल ग्लैमर का प्रभाव नहीं है। यहां फिल्मों ने सामाजिक बदलाव, भाषा आंदोलन और जनभावनाओं को दिशा दी है।

फिल्मी नायक अक्सर आम आदमी की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब वही चेहरा राजनीति में आता है, तो जनता उसमें अपने सपनों का विस्तार देखने लगती है। विजय की राजनीति भी इसी भावनात्मक और सामाजिक जमीन पर खड़ी दिखाई देती है। लेकिन भविष्य का पैसला केवल लोकप्रियता नहीं करेगा। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि विजय अपने स्टारडम को किन्तु मजबूती से राजनीतिक संघटन में बदल पाएंगे हैं। क्या वे युवाओं की आकांक्षाओं को वास्तविक नीति में बदल पाएंगे? क्या वे तमिल राजनीति के पुराने समीकरणों को चुनौती दे पाएंगे? और सबसे बड़ा सवाल क्या वे केवल एक और फिल्मी सितारे बनकर रह जाएंगे, या सचमुच नया राजनीतिक अध्याय लिखेंगे?

जब कामयाब इंसान खुद अपनी कमजोरी का शिकार बन जाता है

आर के जैन

कॉंपैरेट हनीट्रेप जाज के डिजिटल युग का अदृश्य जाल है, जो इतना मुस्कान, आकर्षक संवाद और तकनीकी परतों के पीछे छिपकर सत्ता और सफलता की ऊँची कुर्सीयों तक पहुँच चुका है। यह केवल अपराध नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक छल, भावनात्मक शोषण और डिजिटल हथियारों का संगम है। सक्सेस, सेक्स और साइलेंट ब्लैकमेल का यह खतरनाक गड्ढा अपराधों, नेताओं और कॉंपैरेट अधिकारियों के लिए सबसे बड़ा अदृश्य संकट बन चुका है। इसकी मोबाइल बड़ी विडंबना यह है कि यह जाल बाहर से नहीं, बल्कि अपने ही सोबाइल और अनजाने भावनात्मक निर्णयों से बुना जाता है। इस पूरे जाल की शुरुआत बेहद सामान्य और निर्दोष लगती है। एक आकर्षक प्रोफाइल, शालीन संवाद और धीरे-धीरे बढ़ती हुई मित्रता इस प्रक्रिया का पहला चरण होती है। अकेलापन, तनाव और कार्यभार से थके हुए अधिकारी या कारोबारी इस डिजिटल अनापना को वास्तविक मान बैठते हैं। सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इसके आसान प्रवेश द्वार बन जाते हैं। शुरुआत में बातचीत साधारण लगती है, लेकिन धीरे-धीरे वह निजी होती जाती है और फिर भावनात्मक जुड़ाव में बदल जाती है। यही वह क्षण होता है जब व्यक्ति अनजाने में नियंत्रण खोने लगता है। जैसे-जैसे भरोसा गहरता है, वैसे-वैसे निजी जानकारी, फोटो, वीडियो कॉल और व्यक्तिगत मुलाकातों सह संबंध का हिस्सा बनती जाती है। यही वह चरण है जहाँ असली जाल बिछता है। कई मामलों में यह सब पहले से योजनाबद्ध होता है, जिसमें ह बातचीत रिकॉर्ड की जाती है या सुशुद्धित कर ली जाती है। बाद में यही सामान्य हथियार बन जाती है। शुरुआत में हल्की मांग, फिर आर्थिक दबाव और अंततः यह प्रक्रिया ब्लैकमेल में बदल जाती है। पीछड़ा व्यक्ति सामाजिक प्रतिष्ठा और करियर के भय से चुपची साफ़ लेता है, और यही चुपची अपराधियों की सबसे बड़ी ताकत बन जाती है। मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में सामने आए हनीट्रेप मामलों ने इस पूरे नेटवर्क की गहराई को उजागर किया है। 2019 के बड़े मामले के बाद भी यह डिजिटल पूरी तरह सामान्य नहीं हुआ, बल्कि और अधिक संगठित तथा अप्रतिजल रूप में विकसित हुआ है। “हनीट्रेप पार्ट-टू” जैसे घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि लगातार विकसित होता अपराध मॉडल है। जांचों में यह भी सामने आया कि प्रभावशाली व्यक्तियों को लंबे समय तक फंसाकर न सिर्फ धन वसूल गया, बल्कि राजनीतिक और प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावित करने की कोशिश भी की गई। यह स्थिति दर्शाती है कि यह अपराध अब व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सिस्टम को प्रभावित करने वाला माध्यम बन चुका है। देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहाँ राजनीतिक नेता, वरिष्ठ अधिकारी और कॉंपैरेट निष्पत्तिका इस जाल में फंसे पाए गए हैं। कई बार इसका उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि गोपनीय जानकारी हासिल करना, कंपनी की रणनीति जानना या राजनीतिक दबाव बनाना भी होता है। इन मामलों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि बदनाम के डर से पीड़ित सामने नहीं आते, जिससे अपराधियों का हौसला और बल जाता है। धीरे-धीरे यह एक ऐसे नेटवर्क में बदल जाता है जो व्यक्तियों के साथ-साथ संस्थानों की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित करता है।

इस पूरे खेल का सबसे खतरनाक हथियार आज मोबाइल फोन और डिजिटल तकनीक बन चुकी है। डीएफके वीडियो, एंउटेड ऑडियो, फ्लैकैम और एर्नक्रैटेड चैट्स ने इस अपराध को अत्यंत जटिल बना दिया है। अब एक साधारण वीडियो कॉल या फोटो भी किसी के करियर को नफा करने के लिए पर्याप्त साबित हो सकता है। तकनीक ने जहां जीवन को सरल बनाया है, वहीं उसने अपराध को लगभग अदृश्य और अधिक प्रभावशाली बना दिया है।

आज सच्चाई और झूठ के बीच फर्क करना भी कठिन होता जा रहा है और यही इस अपराध की सबसे बड़ी ताकत है। इस पूरे तंत्र को मनुष्योपेक्षात्मक पहलू भी अत्यंत गंभीर है। लाल लिपस्टिक वाली आकर्षक मुस्कान, सहानुभूति से भरी बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव इस जाल का प्रारंभिक चरण होता है। यह इतना स्थापनात्मक प्रतीत होता है कि व्यक्ति को किसी खतरे का आभास ही नहीं होता। लेकिन धीरे-धीरे यही संबंध नियंत्रण में बदल जाता है। ब्लैकमेल का दबाव केवल आर्थिक नहीं रहता, बल्कि व्यक्ति को मानसिक रूप से भी तोड़ देता है। पीड़ित लगातार भय, तनाव और अपराधबोध में जीने लगता है, जिससे उसका नियंत्रण लेने का सामर्थ्य कमजोर पड़ता है और वह और वही गहराई में फंसा चला जाता है।

मानसिक रूप से अदृश्य लेकिन अत्यंत गहरा असर छोड़ने वाला यो अपराध व्यक्ति के जीवन को भीतर से तोड़ देता है। निरंतर दबाव, बदनामी का भय और करियर समाप्त होने की आशंका उसे धीरे-धीरे असह्यद की ओर धकेल देती है। कई मामलों में यह स्थिति आत्मघाती विचारों तक पहुँच जाती है। कर्पनियों और राजनीतिक संस्थाएँ असर अपनी छवि बचाने के लिए ऐसे मामलों को दबा देती हैं, जिससे पीड़ित और जिम्मेदार अकेला पड़ जाता है। अंततः दब एक ऐसा दुष्कर पद जाता है, जिससे बाहर निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है, क्योंकि हर कदम पर नया खतरा सामने खड़ा रहता है [डिजिटल युग में तेजी से बढ़ती इस चुनौती से निपटने के लिए कानूनों के भरोसे संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के हस्त पर जागरूकता और अनुभवों की मजबूत नींव अनिवार्य है।

मां की हैवानियत ! रो रही थी 21 महीने की बेटी, चाकू से वारकर मार डाला

पटियाला, 23 मई (एजेंसियां)। पंजाब के पटियाला जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मां पर अपनी ही मासूम बेटी की हत्या करने का आरोप लगा है। हरि नगर उर्फ खेड़की गांव में हुई इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस के मुताबिक, करीब 18 से 21 महीने की बच्ची रमनप्रीत कौर की चाकू लगने से मौत हुई है और शुरुआती जांच में उसकी मां लवप्रीत कौर को आरोपी माना गया है। जानकारी के अनुसार बच्ची लगातार रो रही थी।

इस दौरान उसकी मां लवप्रीत कौर गुस्से और तनाव में अपना अपा छो बैठी और बच्ची पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि महिला मानसिक तनाव और डिप्रेशन की मरीज है।

सन्टेक सिटी जमीन घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

जालंधर, 23 मई (एजेंसियां)। बहुचर्चित सन्टेक सिटी जमीन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 'इंडियन कोऑर्परेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी' के सचिव और सन्टेक सिटी के मुख्य प्रवर्तक अजय सहगल को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। ईडी अब विशेष अदालत से उनका रिमांड लेकर गहन पूछताछ की तैयारी में है। जांच एजेंसी के अनुसार, मामले में करोड़ों रुपये की कथित हेराफेरी, निवेशकों के साथ धोखाधड़ी और जमीन संबंधी बड़े फर्जीवाड़े के सबूत सामने आए हैं। ईडी ने इस मामले में ग्रेटर मोहाली क्षेत्र विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासक संदीप कुमार को भी तलब किया है। अधिकारियों को जमीन, भूमि उपयोग परिवर्तन और अन्य दस्तावेजों सहित व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। ईडी जांच में

सीबीआई कोर्ट ने बैंक धोखाधड़ी मामले में तीन आरोपियों को 5 साल की सजा सुनाई

चेन्नई, 23 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने एक बड़े बैंक धोखाधड़ी मामले में फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों को पांच-पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने मेसर्स पलपाप इचिनीची सॉफ्टवेयर इंटरनेशनल लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ सैंथिल कुमार, पीए। सासी कुमार और पी। थंजई चैजिनयन को दोषी करार दिया। अदालत ने तीनों आरोपियों पर कुल 11.7 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, कंपनी मेसर्स पलपाप इचिनीची सॉफ्टवेयर इंटरनेशनल लिमिटेड पर 1.2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीबीआई ने भारतीय स्टेट बैंक, चेन्नई की शिकायत पर 14 नवंबर 2008 को यह मामला दर्ज किया था। आरोप था कि कंपनी और उसके निदेशकों ने 'एक्सप्रेस क्रेडिट स्कीम' के तहत काल्पनिक कर्मचारियों के नाम पर व्यक्तिगत ऋण स्वीकृत करवाए और हासिल किए। इस अपराधिक साजिश के जरिए आरोपियों ने

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

निजी स्कूल सत्र शुरू होने से पहले बिना सरकारी मंजूरी बढ़ा सकते हैं फीस

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ातरी को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि दिल्ली में बिना सरकारी मदद वाले प्राइवेट स्कूल नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ा सकते हैं। इसके लिए उन्हें शिक्षा निदेशालय (डीओई) की अनुमति लेने की जरूरत नहीं है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर स्कूल नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाता है, तो उसे सिर्फ शिक्षा निदेशालय को सूचना देनी है, उन्हें अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। हालांकि अगर स्कूल शैक्षणिक सत्र के बीच में फीस बढ़ाना चाहते हैं, तब शिक्षा निदेशालय की मंजूरी जरूरी होगी। कोर्ट ने अभिभावकों को राहतदेते हुए यह भी कहा कि स्कूल पुराने सालों की बढ़ी हुई फीस का बकाया अब नहीं वसूल सकते। यानी 2016-



17 या पुराने सत्रों की बढ़ी फीस अब अभिभावकों से नहीं मांगी जा सकती। स्कूलों की आखिरी प्रस्तावित फीस वृद्धि अब अप्रैल 2027 से ही लागू होगी। कोर्ट ने शिक्षा निदेशालय के उन सभी आदेशों को रद्द कर दिया, जिनमें शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाने के प्रस्तावों को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने निदेशालय के पास पेंडिंग फीस बढ़ाने के प्रस्तावों को भी बंद कर दिया। कोर्ट ने निदेशालय के उस अंतर को भी

सिटी ही नहीं, बल्कि 'ला केनेला' नामक मल्टी-स्टोरी रिहायशी परियोजना और 'डिस्ट्रिक्ट-7' कमर्शियल कॉम्प्लेक्स भी विकसित किए। डी की जांच अब अजय सहगल के करीबी सहयोगियों, बिल्डरों और बिचौलियों तक पहुंच गई है। सुरेश कुमार बजाज पर किसानों के कथित जाली हस्ताक्षर और अंगूठे वाले सहमति पत्र तैयार करने के आरोप लगे हैं। वहीं खरड़ निवासी बिचौलिये नितिन गोहिल के ठिकानों पर लंबी छापेमारी की गई। जांच एजेंसियों का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों से सोंटागांट कर बिल्डरों को संरक्षण दिलाने और परियोजनाओं के नाम पर निवेशकों से भारी रकम जुटाने का नेटवर्क काम कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित प्लॉट अब तक के एस्टेट ऑफिसर को ट्रांसफर नहीं किए गए। एजेंसी इसे नियमों का गंभीर उल्लंघन मान रही है।

सिटी ही नहीं, बल्कि 'ला केनेला' नामक मल्टी-स्टोरी रिहायशी परियोजना और 'डिस्ट्रिक्ट-7' कमर्शियल कॉम्प्लेक्स भी विकसित किए। डी की जांच अब अजय सहगल के करीबी सहयोगियों, बिल्डरों और बिचौलियों तक पहुंच गई है। सुरेश कुमार बजाज पर किसानों के कथित जाली हस्ताक्षर और अंगूठे वाले सहमति पत्र तैयार करने के आरोप लगे हैं। वहीं खरड़ निवासी बिचौलिये नितिन गोहिल के ठिकानों पर लंबी छापेमारी की गई। जांच एजेंसियों का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों से सोंटागांट कर बिल्डरों को संरक्षण दिलाने और परियोजनाओं के नाम पर निवेशकों से भारी रकम जुटाने का नेटवर्क काम कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित प्लॉट अब तक के एस्टेट ऑफिसर को ट्रांसफर नहीं किए गए। एजेंसी इसे नियमों का गंभीर उल्लंघन मान रही है।

'अपने हक की बात करना ज़ुर्म बन गया है क्या'

एनएफएसए विरोध पर कश्मीरी हिंदू के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने पर भड़कीं महबूबा



श्रीनगर, 23 मई (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष व जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक विस्थापित कश्मीर हिंदू कार्यकर्ता पर एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर सरकार और प्रशासन की आलोचना की है। एनएफएसए लागू करने के विरोध में आवाज उठाने वाले विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर पीडीपी प्रमुख ने कहा कि क्या अब अपने हक की बात करना

खारिज कर दिया जो 'लैंड क्लॉज' (जमीन से जुड़ी शर्त) के तहत आने वाले स्कूलों और ऐसे क्लॉज के तहत न आने वाले स्कूलों के बीच किया गया था।

कोर्ट ने कहा कि लैंड क्लॉज, जो आमतौर पर अलॉटमेंट लेटर में एक शर्त होती है, उसे एकट और नियमों के दायरे में ही काम करना चाहिए और वह निदेशालय की कानूनी शक्तियों को बढ़ा नहीं सकता। दिल्ली हाईकोर्ट ने यह आदेश कई प्राइवेट स्कूलों की अर्जों पर सुनवाई करते हुए दिया। इन स्कूलों ने फीस बढ़ाने के प्रस्ताव को शिक्षा निदेशालय की ओर से नामंजूर किए जाने के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। स्कूलों का कहना था कि शिक्षा निदेशालय बार-बार उनकी फीस बढ़ाने की मांग ठुकरा रहा था, जिससे स्कूलों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो रही है।

पुलिस का मनाली में एक्शन नाम बदलकर छिप रहा वेटर होटल से गिरफ्तार

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एनआर-1 टीम ने आर्म्स एक्ट के मामले में फरार चल रहे घोषित अपराधी रोहित को हिमाचल प्रदेश के मनाली से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ कुल 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से पुलिस से बचने के लिए फिलहाल जमानत देना उचित नहीं होगा। वह लंबे समय से पुलिस से बचने के लिए छिपकर होटल में काम कर रहा था। क्राइम ब्रांच के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर फरार और घोषित अपराधियों की तलाश के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एनआर-1 टीम हिमाचल प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी और आरोपियों की तलाश में गई थी। टीम में एसएसआई प्रेम वीर, हेड कॉन्स्टेबल सोनू और हेड कॉन्स्टेबल अमित कौशिक शामिल थे। पूरी कार्रवाई इस्पेक्टर अजय गहलावत और एसीपी अशोक शर्मा की निगरानी में की गई।

नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार 'शिवराज मोटेगांवकर सर' का शीश महल देखकर उड़ जाएंगे होश

लातूर, 23 मई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए आरसीसी क्लासेस से जुड़े शिवराज मोटेगांवकर सर का शीश महल चर्चा में है। लातूर में नीट पेपर लीक मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे करोड़ों की संपत्ति और आलीशान ज़िंदगी के नए खुलासे सामने आ रहे हैं। आरसीसी क्लासेस से जुड़े शिवराज मोटेगावकर का लगजरी बंगला अब जांच एजेंसियों और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इस आलीशान घर का नक्शा रामोजी फिल्म सिटी के इंजीनियरों द्वारा तैयार किए जाने की जानकारी सामने आई है।

करीब पांच हजार स्कवायर फुट में बना यह फिलहाल बंगला किसी महल से कम नहीं दिखता। विशाल पार्किंग एरिया, राजस्थानी राजपूताना स्टाइल के कमरे और हर दीवार पर यूरोपियन डिजाइन वाला महंगा लकड़ी का इंटीरियर इसे आकर्षक बनाता है। सिर्फ दीवारें ही नहीं, बल्कि पूरे घर में इम्पोर्टेड

एसआई भर्ती घोटाला

हाई कोर्ट से मुन्ना महांति समेत 17 आरोपियों को बड़ा झटका, जमानत याचिका खारिज

भुवनेश्वर, 23 मई (एजेंसियां)। ओडिशा के चर्चित कंबाईड पुलिस सर्विस परीक्षा-2024 घोटाले में मुख्य आरोपी मुन्ना महांति समेत 17 आरोपियों को बड़ा झटका लगा है। उड़ीसा हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए फिलहाल जमानत देना उचित नहीं होगा। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पुलिस एसआइ भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी और प्रश्नपत्र लीक जैसे गंभीर आरोपों की जांच जारी है। ऐसे में आरोपियों को राहत नहीं दी जा सकती।

हालांकि, बीमारी के आधार पर पहले अंतरिम जमानत पा चुके मुख्य आरोपी मुन्ना महांति को कोर्ट ने तीन सप्ताह के भीतर निचली

नयागढ़ चुनाव केस: बीजद विधायक अरुण साहू को ओडिशा एवसी से बड़ा झटका, तीनों अंतरिम याचिकाएं खारिज

भुवनेश्वर, 23 मई (एजेंसियां)। नयागढ़ से बीजद विधायक अरुण कुमार साहू को चुनावी मुकदमे में बड़ा झटका लगा है। ओडिशा हाईकोर्ट ने उनके द्वारा दायर तीनों अंतरिम याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इन याचिकाओं में विधायक साहू ने उनके खिलाफ दायर मूल चुनाव याचिका को ही खारिज करने की मांग की थी। जस्टिस आनंद चंद्र बेहरा की खंडपीठ ने सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने मामले के एक अन्य प्रतिपक्ष हेमंत कुमार पृष्ठि की ओर से दायर अंतरिम याचिका को भी खारिज कर दिया। इसके साथ ही

भीषण सड़क हादसा, ट्रक-कार की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत
कलबुर्गी, 23 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में एक भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि हादसा चित्तापुर तालुक के लाडलापुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-150 पर हुआ, जहां एक क्रूजर वाहन और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान टोलुसाब काशवार (27), हर्सेन शाह (48), मैबूब अली (45), रसूल बी (42) और फातिमा अली (38) के रूप में हुई है। सभी चित्तापुर तालुक के इंगालगी गांव के निवासी थे और आपस में रिश्तेदार थे। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात मृतकों के एक रिश्तेदार की तबीयत निमोनिया से जुड़ी जटिलताओं के कारण बिगड़ गई थी। इसके बाद आठ लोग क्रूजर वाहन में उसे इलाज के लिए यादगिर शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराने गए थे। पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। मामले में वाडी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। वहीं सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए वाडी सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया गया है।

लकड़ी की प्लोटरिंग की गई है। चार मंजिला इस बंगले में ऐशो-आराम की हर सुविधा मौजूद बताई जा रही है। लातूर के पांश और वीआईपी इलाके में बना यह बंगला अब लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बन गया है। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी संपत्ति का स्रोत क्या है? नीट पेपर लीक जांच के बीच मोटेगांवकर की संपत्तियों को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

जांच एजेंसियां अब आर्थिक लेन-देन और संपत्तियों के नेटवर्क की भी पड़ताल कर रही हैं। फिलहाल जांच जारी है लेकिन लातूर में अब चर्चा सिर्फ पेपर लीक की नहीं, बल्कि उस कथित काले साम्राज्य की भी हो रही है, जो इस पूरे नेटवर्क से खड़ा हुआ लगता जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, आरसीसी के विभिन्न केंद्रों में हर साल करीब 40,000 छात्र दाखिला लेते हैं। फीस संरचना के आधार पर औसत टर्नओवर 100 करोड़ रुपये से अधिक का माना जाता है।

एसआई भर्ती घोटाला

अदालत में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2024 में कंबाईड पुलिस सर्विस परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी किया गया था।

परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र लीक और चयन प्रक्रिया में भारी अनियमितता के आरोप सामने आए थे। मामला तूल पकड़ने के बाद जांच की जिम्मेदारी क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी। जांच के दौरान मुन्ना महांति समेत 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इधर, मुना महांति की ओर से अदालत में दलील दी गई कि उनका ऑपरेशन हो चुका है और पूरी तरह स्वस्थ होने में अभी कुछ समय लगेगा।कोर्ट ने इस पक्ष को ध्यान में रखते हुए उन्हें तीन सप्ताह का समय दिया, लेकिन नियमित जमानत देने से इनकार कर दिया।

भाजपा प्रत्याशी प्रत्युषा राजेश्वरी सिंह ने हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर कर अरुण साहू के निर्वाचन को निरस्त करने की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अरुण साहू ने नामांकन के दौरान दखिल शपथपत्र में संपत्ति संबंधी सही जानकारी नहीं दी थी। इसके अलावा उनके नामांकन पत्र को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा गलत तरीके से स्वीकार करने का भी आरोप लगाया गया है।

पठानकोट-जम्मू एनएच पर जासूसी मामला: आरोपी दुकानदार भी गिरफ्तार, 40 हजार के लिए पाक को दे रहे थे सेना का फुटेज

पठानकोट, 23 मई (एजेंसियां)। पठानकोट-जम्मू नेशनल हाईवे पर लगाए गए जासूसी कैमरे के मामले में जिला पुलिस की ओर से एक और आरोपित को काबू किया गया है। पठानकोट में गिरफ्तार जासूस ने 40 हजार रुपये के लिए भारतीय सेना व पैरामिलिट्री फोर्सज की गतिविधियों की लाइव फीड पाकिस्तान तक पहुंचाई। उसने इसी साल जनवरी महीने में 3 साथियों के साथ मिलकर पठानकोट-जम्मू नेशनल हाईवे पर हाई-डेफिनेशन 360 डिग्री कैमरा लगाया था। इसे हाईवे से सेना के काफिले गुजरते हैं। पठानकोट एसएसपी दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने बताया कि बलजीत सिंह उर्फ बिट्टू ने किसी दुकान पर इस कैमरे को लगवाया था। जिसका एक्सेस बलजीत और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के हैंडलर के पास था। प्राइवेट इंटरनेट असेस के जरिए फीड पाकिस्तानी हैंडलरों तक भेजता था। पूछताछ में सामने आया है कि उसे दुबई में बैठे शख्स की ओर से निर्देश दिए जा रहे थे।

दबोचा गया फर्जी रैपिडो राइडर, यात्रियों के साथ हुई कई वारदातों का खुलासा

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में फर्जी रैपिडो राइडर बनकर दर रात यात्रियों से उनका मोबाइल झपटने वाले बदमाश को आइपी एस्टेट थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी यात्रियों को कम किराए का लालच देकर सुनसान जगहों पर ले जाता था और फिर मोबाइल झपटकर फरार हो जाता था। आरोपी के कब्जे से हाल ही में शिकायतकर्ता का झपटा हुआ मोबाइल और एक अन्य चोरी की मोबाइल और नरेला से चोरी की मोटारसाइकिल बरामद की गई है। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त रोहित राजवीर सिंह के अनुसार बीती 20 मई को आइपी एस्टेट पुलिस को सूचना मिली थी कि आइटीओ स्थित हंस भवन के पास एक फर्जी रैपिडो राइडर ने मोबाइल झपट लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। रास्ते में बहादुरशाह जफर मार्ग के पास आरोपी ने यह शकट उसी ब्रांड के मोटार साइकिल के आगे फुलिस चेकिंग चल रही है और हेलमेट नहीं है। इसलिए परेशानी हो सकती है।





'आरबीआई को अपना सोना बेच देना चाहिए'

2.87 लाख करोड़ के डिविडेंड पर क्यों भड़के दिग्गज फंड मैनेजर?

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रेकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपये का डिविडेंड ट्रांसफर करने का फैसला लिया है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले पर आर्थिक जगत में एक नई बहस छिड़ गई है। सेबी रजिस्टर्ड पोर्टफोलियो मैनेजर और कैपिटल माइंड के सीईओ दीपक शेनॉय ने इस डिविडेंड राशि को निराशाजनक बताया है।

उन्होंने इस बारे में एक्स पर एक पोस्ट की है, जिसमें कहा है कि रिजर्व बैंक को अपना सोना बेच देना चाहिए। उनकी इस राय पर निवेशकों और अर्थशास्त्रियों के बीच एक बड़ी डिबेट छिड़ गई है। दीपक शेनॉय ने सोशल मीडिया पर तर्क दिया कि केंद्रीय बैंक का कुल मुनाफा करीब 4 लाख करोड़ रुपये रहा था। इसके बावजूद, आरबीआई ने मुनाफे का एक बहुत बड़ा हिस्सा सरकार को



सौंपने के बजाय अपने कंट्रिजेंट रिस्क बफर में रखने का फैसला किया। उन्होंने आरबीआई के इस फैसले को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि एक ऐसा जोखिम बफर जिसका आरबीआई ने कभी इस्तेमाल नहीं किया है और न ही भविष्य में करना पड़ेगा।

सोना बेचने का सुझाव
शेनॉय ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि आधिकारिक कारण 6.5% को बफर के रूप में बनाए रखना है। उन्होंने पोस्ट में सुझाव दिया है कि आरबीआई को अब अपना सोना (गोल्ड रिजर्व) बेचना चाहिए और अपनी बैलेंस शीट के आकार को कम करना चाहिए, ताकि वे

सरकार को और अधिक पैसा लौटा सके। उन्होंने आगे लिखा, 'लेकिन ये उम्मीदें, बस उम्मीदें ही रह जाती हैं। हम इससे बेहतर के हकदार हैं।' रिजर्व बैंक को अपनी कुल बैलेंस शीट का 5.5% से 6.5% हिस्सा

कंट्रिजेंट रिस्क बफर के रूप में बनाए रखना अनिवार्य होता है। **सोशल मीडिया पर शुरू हुई बहस**
दीपक शेनॉय की इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए। कई लोगों ने आरबीआई के इस बफर फंड और गोल्ड रिजर्व को बनाए रखने के फैसले का खुलकर बचाव किया। एक यूजर ने शेनॉय से सवाल पूछते हुए लिखा, 'कभी इस्तेमाल नहीं करना पड़ा... लेकिन सर, क्या हो अगर उन्हें कभी ऐसा करना पड़ जाए? हमारे जीवनकाल में हर तरह की अभूतपूर्व चीजें हो रही हैं।'।

वित्त-वाणिज्य

अगर लग जाए जीएसटी तो 22 रुपए कम हो सकती हैं पेट्रोल की कीमतें

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। बीते 8 दिन में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3 बार बढ़ोतरी हो चुकी है, जिसके बाद कई शहरों में पेट्रोल की कीमतें 100 के पार चली गई है. वहीं दिल्ली में 23 मई को पेट्रोल की कीमतें 99.51 रुपए प्रति लीटर पहुंच गई है. पेट्रोल- डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने इसे जीएसटी के दायरें में लाने की मांग की है. चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बुजेश गोयल ने इस मसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है. बुजेश गोयल ने केंद्र सरकार से अपील की है कि पेट्रोल-डीजल को तुरंत जीएसटी के दायरे में शामिल किया जाए, जिससे लोगों को इस भारी महंगाई से राहत मिल सके.

भारी भरकम टैक्स की मार झेल रहा पेट्रोल- डीजल

चेंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बुजेश गोयल के मुताबिक पेट्रोल -डीजल भारी भरकम टैक्स की मार झेल रहा है. उनका कहना है कि केवल दिल्ली की बात की जाए तो दिल्ली में 22 मई तक के आंकड़ों के अनुसार पेट्रोल का वास्तविक मूल्य 66.29 रुपये था, इस पर एक्साइज ड्यूटी 11.90 रुपये और वीएटी 16.03 रुपये लगता है, जबकि डीलर का मार्जिन 4.42 रुपये था. यानी 32 से 33 रुपये केवल टैक्स और मार्जिन का भार पड़ रहा है. वहीं डीजल की बात की जाए तो दिल्ली में इसका वास्तविक मूल्य 67.36 रुपये है। इसपर एक्साइज ड्यूटी 7.80 रुपये और वीएटी 13.39 रुपये था, जबकि डीलर मार्जिन 3.03 रुपये था. यानी यहां भी 24 रुपए केवल टैक्स और मार्जिन. अगर पेट्रोल-डीजल पर जीएसटी लगा जाए तो ये सारे टैक्स खत्म हो जाएंगे और केवल एक टैक्स होगा.

22 रुपए कम हो सकती हैं कीमतें



पेट्रोल-डीजल पर अगर जीएसटी लग जाए तो केवल पेट्रोल पर 22 रुपए की बचत हो सकती है. मतलब अभी अगर पेट्रोल की कीमतें 100 रुपए प्रति लीटर के करीब हैं तो यह घटकर 78 रुपए हो सकती है. आइए अब आपको इसका कैलकुलेशन समझाते हैं. दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 23 मई को बढ़कर 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गई है. इसमें पेट्रोल का वास्तविक मूल्य तो सिर्फ 66.29 रुपये था. इसके ऊपर से केंद्र की ओर से 11.90 रुपये प्रति लीटर का उत्पाद शुल्क लगाया जाता है, जबकि दिल्ली सरकार 16.03 रुपये का वैट लगाती है और डीलर को भी प्रति लीटर 4.42 रुपये का कमीशन मार्जिन दिया जाता है. इस कैलकुलेशन के तहत 99.51 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत में 28 रुपए के करीब केवल टैक्स है. जीएसटी लागू होने से ये दोनों टैक्स खत्म हो सकते हैं. अगर डीलर के मार्जिन को न भी हटया जाए केवल टैक्स खत्म होने से एक लीटर पेट्रोल की कीमत करीब में करीब 27.93 रुपए कम हो सकते हैं मतलब 99.51 रुपए प्रति लीटर का पेट्रोल करीब 72 रुपए हो सकता है. अगर पेट्रोल पर 18 फीसदी जीएसटी के दायरे में लाया जाए तो दिल्ली में बिना टैक्स पेट्रोल की कीमत 66.29 रुपये लीटर है. इस पर 18 फीसदी जीएसटी लगाने पर कुल टैक्स होगा 11.93 रुपये और तब पेट्रोल की कीमत हो जाएगी 78.22 रुपये लीटर यानी एक लीटर के दाम करीब 22 रुपए कम हो जाएंगे.

स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता से खानपान में बदलाव, भारतीय थाली में बढ़ा मोटे अनाज का रुतबा

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। देश में मोटा अनाज यानी मिलेट्स जिसे श्रीअन्न भी कहा जाता है, वह अब मात्र पारंपरिक या मौसमी अनाज नहीं रह गया है। अब यह भारतीय परिवारों की थाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सर्वेक्षण कंपनी लोकल सर्वेल्स की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 70 प्रतिशत परिवार नियमित रूप से किसी भी किसी रूप से मिलेट्स यानी मोटे अनाज को अपने आहार में ग्रहण कर रहे हैं। इसमें रागी, बाजरा, ज्वार सहित जौ और मक्का शामिल है। साथ ही शाम के हल्की भूख के लिए लोग मखाने, चना, कुरमुरा, भेल और मूंफली खाना पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि लोग मोटा अनाज स्वाद नहीं सेहत के लिए भी अपना रहे हैं।

लगभग 43 प्रतिशत लोग मानते हैं, कि वे स्वास्थ्य कारणों से मोटे अनाज खाते हैं। जबकि

30 प्रतिशत लोगों ने माना है क भोजन में विविधता आती है, वहीं 15 प्रतिशत ने धार्मिक उपवास और कुछ लोगोंने स्थानीय उपलब्धता की वजह से भी इनको आहार में शामिल किया है। **मोटे अनाज को सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल करने पर हो विचार**
अध्ययन बताता है कि 68 प्रतिशत परिवारों ने मोटे अनाज को सरकार के सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल करने की मांग की है। उनका कहना है, जैसे चावल और गेहूं को दिया जाता है, वैसे ही एक बड़ा हिस्सा मोटे अनाजों का भी होना चाहिए। रिपोर्ट का दावा है कि यह सर्वेक्षण देश के 346 जिलों में किया गया है, जिसमें 44 हजार से अधिक लोगों की राय जानी गई। जिसमें 48 प्रतिशत परिवार रागी , 32 प्रतिशत ने ज्वार को आहार में लेने की बात मानी है, जबकि 23 प्रतिशत परिवार अभी भी मोटे अनाज को भोजन



में शामिल नहीं किया है। मसाला मेवा एवं किराणा एसोसिशन के अध्यक्ष योगेश गणजा कहते हैं, कोविड के बाद से लोग अब स्वास्थ्य को लेकर अधिक जागरूक हो रहे हैं। पहले की तरह अब लोग मोटे अनाज की ओर लौट रहे हैं। अभी तो शाम के हल्की भूख के लिए लोग मखाने, चना, कुरमुरा, भेल और मूंफली खाना पसंद कर रहे हैं। जिसकी मांग पिछले कुछ समय बढ़ी है। कॉफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (केट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर कहते हैं,

देश में मोटे अनाज यानी श्रीअन्न को बढ़ावा देने की मुहिम कुछ वर्षों से लगातार मजबूत हो रही है। प्रधानमंत्री ने भी नागरिकों से मोटे अनाजों को अपने दैनिक भोजन में शामिल करने की अपील के बाद इसकी मांग भी बढ़ी है। **मोटे अनाज की फसलों पर ध्यान**
पिछले कुछ वर्षों में जौ, बाजरा सहित मक्का की फसलों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। कई राज्यों कई तरह की योजनाएं किसानों की लिए शुरू की है। संयुक्त राष्ट्र ने साल 2023 को अंतरराष्ट्री मिलेट वर्ष घोषित किया था। भारतीय कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार साल 2024-25 में 180.15 लाख टन मिलेट का उत्पाद किया था। उत्पाद में राजस्थान सबसे आगे रहा, उसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक का स्थान रहा। भारत ने साल 2024-25 में 37 मिलियन डॉलर मूल्य के 89,164.96 टन मिलेट का निर्यात किया था।

ईरान-अमेरिका तनाव का असर एनआरई ने खातों से निकाली बड़ी रकम

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया तनाव का असर अब अलग-अलग मोर्चों पर दिखाई देना शुरू हो गया है. अभी तक ईरान-अमेरिका युद्ध के चलते एलपीजी की किल्लत और पेट्रोल-डीजल की बढ़ती हुई कीमत थी, लेकिन अब ईरान-अमेरिका युद्ध का असर देश में मौजूद एनआरआई की संपत्ति पर भी पड़ना शुरू हो गया है. दरअसल हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने ताजा आंकड़े जारी किए हैं, जिससे पता चलता है कि विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने मार्च महीने में अपने बैंक खातों में से करीब 2 अरब डॉलर की निफासी की है. एनआरआई की इस निफासी से एनआरई डिपॉजिट में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है और कुल जमा राशि घटकर 165.65 अरब डॉलर रह गई, जो पिछले महीने 167.58 अरब डॉलर थी. अगर ईरान-अमेरिका युद्ध का समाधान जल्द नहीं निकला तो आने वाले दिनों में एनआरआई



डिपॉजिट में और गिरावट देखने को मिल सकती है. **एनआरई जमा में गिरावट का असर**
इस निफासी के चलते एनआरई डिपॉजिट की कुल आनदनी भी कम हो गई है. 2025-26 में एनआरई जमा \$14.41 अरब डॉलर रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह \$16.16 अरब डॉलर थी. बैंकरो और अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव लंबे समय तक जारी रहता है तो इसका असर आगे और ज्यादा देखने को मिल सकता है. **क्यों निकाला गया पैसा ?**
मार्च महीने में यह साफ दिखा कि एनआरआईएस ने जितना पैसा बैंकों में जमा किया, उससे ज्यादा पैसा निकाल लिया. यह स्थिति

खासकर दो तरह के खातों में देखने को मिली. एनआरई (नॉन-रेजिडेंट एक्सटर्नल) अकाउंट एनआरओ (नॉन-रेजिडेंट ऑर्डनरी) अकाउंट इन खातों का इस्तेमाल ज्यादातर पश्चिम एशिया में काम करने वाले भारतीय करते हैं. **किन खातों पर पड़ा असर**
आरबीआई के अनुसार एनआरई खाते में जमा 98.56 अरब डॉलर रह गई (पिछले साल \$99.77 अरब डॉलर) थी, साथ ही एनआरओ खाते में जमा \$33.33 अरब डॉलर रह गई (पिछले साल \$34.09 अरब डॉलर) थी. वहीं एफसीएनआर(बी) खाते में हल्की बढ़ोतरी के साथ \$33.76 अरब डॉलर हो गई है. **आगे और दबाव की आशंका**
बैंकों का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ता है तो एनआरई डिपॉजिट में और गिरावट देखने को मिल सकती है. इसका असर भारतीय बैंकिंग सिस्टम और विदेशी मुद्रा प्रवाह पर भी पड़ सकता है.

एलपीजी और पीएनजी इस्तेमाल करने वाले जान लें ये नियम, बाद में आ सकती है दिक्कत !

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। अगर आपके घर में भी इंडेन, भारत गैस या एचपी का एलपीजी कनेक्शन है, तो ये खबर आपके बड़े काम की है। तेल कंपनियों ने गैस बुकिंग, डिलीवरी और पाइप वाली गैस को लेकर कुछ नए और कड़े नियम लागू किए हैं। तेल कंपनियों के इन नियमों से करोड़ों लोगों पर असर पड़ेगा। वहीं तेल कंपनियों ने लोगों से एलपीजी के जगह पीएमजी की ओर शिफ्ट होने को लेकर भी नई एडवाइजरी जारी की है। कई राज्यों में गैस की कमी, ब्लैक मार्केटिंग और स्पलाइ से जुड़ी खबरों के बीच कंपनियों ने ग्राहकों से घबराने या ज्यादा सिलेंडर जमा करने से बचने की अपील भी की है।

अब जल्दी नहीं मिलेगा दूसरा सिलेंडर
सरकार ने सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए दो बुकिंग्स के बीच का समय बढ़ा दिया है। शहरों में अब लोग 25 दिन के बाद ही दूसरा सिलेंडर बुक कर पाएंगे, वहीं गांवों में रहने वालों



के लिए लॉक-इन पीरियड 45 दिन तय किया गया है। यानी कि अब एक सिलेंडर आने के 45 दिन बाद ही कोई नया सिलेंडर बुक कर पाएगा। ये नियम 14.2 किलोग्राम और 5 किलोग्राम, दोनों तरह के घरेलू सिलेंडरों पर लागू होगा। **बिना ओटीपी के नहीं मिलेगी डिलीवरी**
अब डिलीवरी बॉय के घर आते ही आपको सिलेंडर नहीं मिल जाएगा। सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ओटीपी आधारित डिलीवरी को

अनिवार्य कर दिया गया है। सिलेंडर लेते वक्त आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक वन टाइम पासवर्ड आएगा, जिसे डिलीवरी बॉय को बताना जरूरी होगा। जब तक आप ओटीपी नहीं देंगे, तब तक आपको सिलेंडर डिलीवर नहीं किया जाएगा। इसलिए, अगर आपका नंबर अपडेट नहीं है तुरंत जाकर एजेंसी में अपना सही नंबर तुरंत अपडेट करा लें। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन को जरूरी किया गया है। मंत्रालय ने ये भी साफ किया है कि ये ई-केवाईसी केवल उन्हीं सामान्य ग्राहकों को करनी है, जिन्होंने अब तक इसे एक बार भी पूरा नहीं किया है। अगर आप पहले ही अपनी ई-केवाईसी करवा चुके हैं, तो आपको दोबारा परेशान होने की जरूरत नहीं है।क्या जून के बाद बंद हो जाएंगे एलपीजी कनेक्शन? संकट को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने मार्च

2026 में सभी लोगों से एलपीजी की बजाए पीएनजी पर शिफ्ट होने की बात कही थी, साथ ही कहा था कि जिनके पास एलपीजी और पीएनजी, दोनों कनेक्शन हैं, वो एलपीजी कनेक्शन खुद बंद कर दें वरना सरकार वो बंद कर देगी। ऐसे में सरकार 'एक घर, एक गैस कनेक्शन' की नीति पर काम कर रही है। जिन घरों में पहले से पीएनजी (पाइड नेचुरल गैस) की सुविधा मौजूद है, उन्हें एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने के लिए कहा जा रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पीएनजी वाले घरों के एलपीजी कनेक्शन 30 जून 2026 के बाद बंद किए जा सकते हैं, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी कोई ऑफिशियल डेडलाइन जारी नहीं की है। तेल कंपनियों ने साफ किया है कि देश में एलपीजी की स्प्लाइ बिल्कुल सामान्य और पर्याप्त है।

जेपी एसो. ने अदाणी को 'सरेंडर' किए जेपी पावर के शेयर्स, फाइलिंग में कंपनी ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 23 मई (एजेंसियां)। दिवालिया होकर अदाणी के हाथों बिक चुकी जयप्रकाश एसोसिएट्स ने एक्सचेंज फाइलिंग में अहम जानकारी दी है। दरअसल, कंपनी ने जेपी पावर में अपने 1644830118 शेयर्स को अदाणी की कंपनी अदाणी पावर को ट्रांसफर कर दिए। इस डील के बाद जेपी पावर में जेपी

एसोसिएट्स की हिस्सेदारी शून्य हो चुकी है। डील से पहले उसकी हिस्सेदारी 24 फीसदी थी। जेपी एसोसिएट्स ने एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी कि यह लेनदेन सीधे शेयर बाजार (ओपन मार्केट) से न होकर 'ऑफ-मार्केट' माध्यम से किया गया है। एसईबीआई के टेकओवर नियमों के तहत दी गई इस जानकारी से साफ हो गया है कि जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपीवीएल) से पुराने प्रमोटर्स ने पूरी तरह से अपना एग्लिट कर लिया है।

अदाणी के हाथों में आया जेपी पावर का नियंत्रण, खत्म हुई जेएल की कहानी

अदाणी पावर लिमिटेड द्वारा 24% हिस्सेदारी का अधिग्रहण किए जाने के बाद, अब इस पावर कंपनी का नियंत्रण और भविष्य अदाणी के हाथों में चला गया है। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड का अब जेपी पावर में कोई रोल नहीं रह गया है। उसकी कहानी

दैनिक पंचांग

शुक्र	शुक्र	शुक्र
४	३	२
६	५	४
८	७	६
९	८	७
१०	९	८
११	१०	९
१२	११	१०
१३	१२	११
१४	१३	१२
१५	१४	१३
१६	१५	१४
१७	१६	१५
१८	१७	१६
१९	१८	१७
२०	१९	१८
२१	२०	१९
२२	२१	२०
२३	२२	२१
२४	२३	२२
२५	२४	२३
२६	२५	२४
२७	२६	२५
२८	२७	२६
२९	२८	२७
३०	२९	२८
३१	३०	२९
३२	३१	३०
३३	३२	३१
३४	३३	३२
३५	३४	३३
३६	३५	३४
३७	३६	३५
३८	३७	३६
३९	३८	३७
४०	३९	३८
४१	४०	३९
४२	४१	४०
४३	४२	४१
४४	४३	४२
४५	४४	४३
४६	४५	४४
४७	४६	४५
४८	४७	४६
४९	४८	४७
५०	४९	४८
५१	५०	४९
५२	५१	५०
५३	५२	५१
५४	५३	५२
५५	५४	५३
५६	५५	५४
५७	५६	५५
५८	५७	५६
५९	५८	५७
६०	५९	५८
६१	६०	५९
६२	६१	६०
६३	६२	६१
६४	६३	६२
६५	६४	६३
६६	६५	६४
६७	६६	६५
६८	६७	६६
६९	६८	६७
७०	६९	६८
७१	७०	६९
७२	७१	७०
७३	७२	७१
७४	७३	७२
७५	७४	७३
७६	७५	७४
७७	७६	७५
७८	७७	७६
७९	७८	७७
८०	७९	७८
८१	८०	७९
८२	८१	८०
८३	८२	८१
८४	८३	८२
८५	८४	८३
८६	८५	८४
८७	८६	८५
८८	८७	८६
८९	८८	८७
९०	८९	८८
९१	९०	८९
९२	९१	९०
९३	९२	९१
९४	९३	९२
९५	९४	९३
९६	९५	९४
९७	९६	९५
९८	९७	९६
९९	९८	९७
१००	९९	९८

श्री रोद /श्री दुर्म्ति नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083** शक संवत्- **1948**, सुदी उत्तरायणे /अरत , ऋतु- ग्रीष्म महावीर- विर्वाण संवत्- **2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम कलियुग अवधि - **432000** भौय कलित वर्ष - **426873** कलियुग संवत् - **5127** वर्ष, कल्पाभ संवत् - **1972949127** शुद्धि ग्रहार्भ संवत् - **1955885127** दिशाशुक्ल - पश्चिम - भान खाकर घर से निकले मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- रविवार **24 May 2026** तिथि - नवमी **04-31** रात्रि तक उपरात दशमी नक्षत्र - पूर्वफाल्गुनी **02-51** रात्रि तक उपरात उ.फाल्गुनी पौष - हर्षण **03-44** तक रात्रि उप वद्य कर्ण - बालव **16-24** तक उप कौलव **विशेष: अधिक मास**

राहुकाल **17-06** से **18-43** तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया	रात का चौघडिया
उत्पात 05-45 - 07-21 अशुभ	शुभ। 18-39 - 20-06 शुभ
चंचल 07-21 - 08-58 शुभ	अमृत 20-06 - 21-28 शुभ
लाभ 08-58 - 10-36 शुभ	चंचल 21-28 - 22-51 शुभ
अमृत 10-36 - 12-13 शुभ	रोग 22-51 - 00-13 अशुभ
काल 12-13 - 13-51 अशुभ	काल 00-13 - 01-36 अशुभ
शुभ 13-51 - 15-28 शुभ	लाभ 01-36 - 02-58 शुभ
रोग 15-28 - 17-06 अशुभ	उत्पात 02-58 - 04-21 अशुभ
उत्पात 17-06 - 18-39 अशुभ	शुभ 04-21 - 05-45 शुभ

आपका राशिफल

शु	मेष	आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे। आप अपने आपा छो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटें। आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है। शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे। अपने कार्य को दृढ़ से समाप्त करने की और ध्यान लाएं।
-----------	------------	--

ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपको यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोन्नति मिल सकती है।

मिथुन	आनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं। आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लोगो की आपका करियर कम सग गया है। हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है। आप सही रास्ते पर हैं। अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे।
--------------	---

वृष	अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं। आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योंकि आपको लोगो की आपका करियर कम सग गया है। हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है। आप सही रास्ते पर हैं। अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे।
------------	---

सिंह	आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरूरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है। अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गतिशी अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है , इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है।
-------------	---

हैदराबाद ने एक सीजन में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाए कोहली की टी-20 में 211वीं बार फिफ्टी पार्टनरशिप

खेल डेस्क, 23 मई (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 के 67वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 55 रन से हरा दिया। विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा 211वीं बार फिफ्टी पार्टनरशिप में शामिल रहे।

कोहली ने हैदराबाद के खिलाफ 211वीं बार टी-20 में फिफ्टी पार्टनरशिप की। उन्होंने राजीव गांधी स्टेडियम में वेंकटेश अय्यर के साथ पहले विकेट के लिए 60 रन जोड़े। वे टी-20 में सबसे ज्यादा बार फिफ्टी रन की साझेदारी का हिस्सा बनने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 210 साझेदारी हैं।

हैदराबाद IPL के एक सीजन में सबसे ज्यादा बार 200+ स्कोर करने वाली टीम बन गई। टीम ने बेंगलुरु के खिलाफ 4 विकेट खोकर 255 रन बनाए, जो इस सीजन टीम का नौवां 200+ स्कोर है। इससे पहले ये रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस के नाम था, जिन्होंने



2025 में 8 बार यह कारनामा किया था।

भुवनेश्वर आईपील में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार 4 ओवर में 50+ रन देने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने मोहम्मद शमी बराबरी की, जिन्होंने 9 बार पचास से ज्यादा रन दिए हैं। भुवनेश्वर ने हैदराबाद के खिलाफ 51 रन दिए। इस लिस्ट में मोहम्मद सिराज 8 बार के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

क्लासन ने आईपील के एक सीजन में नंबर 4 या उससे नीचे

बैटिंग करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस सीजन मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते हुए 606 रन बनाए हैं। उन्होंने ऋषभ पंत को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2018 में 579 रन बनाए थे।

हैदराबाद ने छठी बार 250 या उससे रन का स्कोर खड़ा किया। वह सबसे ज्यादा बार यह आंकड़ा पार करने वाली टीम है। इस लिस्ट में पंजाब और बेंगलुरु संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं, जिन्होंने 3-3

बार यह कारनामा किया है।

अभिषेक एक आईपील सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने बेंगलुरु के खिलाफ 5 सिक्स लगाए। अभिषेक ने इस सीजन 43 छक्के लगाते हुए अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर किया। उन्होंने 2024 में 42 सिक्स लगाए थे। इस लिस्ट में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने इस सीजन 53 छक्के जड़े हैं।

क्लासेन ने इस सीजन नंबर 4 या उससे नीचे बैटिंग करते हुए छठवीं बार 50+ का स्कोर बनाया। उन्होंने बेंगलुरु के खिलाफ 51 रन बनाए। उन्होंने एक सीजन में सबसे ज्यादा बार ऐसा करने वाले ऋषभ पंत और ग्लेन मैक्सवेल की बराबरी की। पंत ने 2018 और मैक्सवेल ने 2021 में 6 फिफ्टी लगाई थी।

नीतीश ने बेंगलुरु के खिलाफ अपनी पहली 2 गेंदों पर लगातार 2 छक्के लगाए। वे हैदराबाद के लिए पारी की पहली 2 गेंदों पर

सिक्स लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले राशिद खान ने 2018 और पैट कर्मिसन ने 2025 में यह कारनामा किया था।

बेंगलुरु के 3 गेंदबाजों ने मैच में 50 या उससे ज्यादा रन दिए। एक मैच में सबसे ज्यादा 50+ रन देने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में नंबर एक पर बेंगलुरु ही है। 2024 में बेंगलुरु के 4 गेंदबाजों ने एक मैच में फिफ्टी का आंकड़ा छुआ था। दिल्ली (2024) और राजस्थान (2024) के 3 गेंदबाजों ने पचास से ज्यादा रन दिए। सभी मौकों पर विरोधी टीम हैदराबाद थी।

ईशान किशन ने बेंगलुरु के खिलाफ 2024 से 2026 तक लगातार चौथी फिफ्टी लगाई। उन्होंने 79 रन की पारी खेली। वे बेंगलुरु के खिलाफ यह कारनामा करने वाले न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर पहले नंबर पर हैं, जिन्होंने 2014 से 2016 के बीच लगातार 7 फिफ्टी लगाई।

6 घंटे चला प्रज्ञानंदा-लाग्रेव का मैच, 139 बाजियों तक चला सुपर चेस क्लासिक का सबसे लंबा मुकाबला



बुखारेस्ट (रोमानिया), 23 मई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रागनन्दा और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के बीच शनिवार को सुपर चेस क्लासिक में 6 घंटे तक मैराथन मुकाबला खेला गया। यह मैच 139 बाजियों तक चला। प्रज्ञानंदा को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

बुखारेस्ट में 8वें राउंड में प्रागनन्दा के पास जीत के अच्छे मौके थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं

सके। टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले खिताब की रेस रोमांचक हो गई है। अब 5 खिलाड़ी मजबूत दावेदार हैं।

डच खिलाड़ियों के लिए खराब दिन, वेस्ले सो को वाँकओवर मिला

टॉप पर चल रहे अमेरिका के फैबियानो कारुआना और जर्मनी के विसेंट कीमर का मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरी ओर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड

के जॉर्डन वान फॉरेस्ट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

नीदरलैंड के दोनों खिलाड़ियों के लिए दिन खराब रहा। फॉरेस्ट को सिंदारोव से हार मिली, जबकि अनीश गिरि को सबसे कम रैंकिंग वाले रोमानियाई खिलाड़ी डेक बोगदान-डेनियल ने हराया। अमेरिका के वेस्ले सो को अलीरेजा फिरोजा के हटने से वाँकओवर मिला।

विजेता को मिलेंगे 1,00,000 अमेरिकी डॉलर टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 3,75,000 अमेरिकी डॉलर है। विजेता को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। शीर्ष खिलाड़ियों के बीच टाई होने पर विजेता तय करने के लिए कम समय के टाईब्रेक मैच खेले जाएंगे।

कोलकाता के अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 से बाहर

वरुण से टक्कर के बाद चोटिल हुए थे, कन्कशन और उंगली में फ्रैक्चर हुआ था

मुंबई, 23 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने इसकी जानकारी दी। रघुवंशी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को खेले गए मैच के दौरान कन्कशन और बाएं हाथ की उंगली में फ्रैक्चर हुआ था।

यह चोट ऐसे समय में आई है, जब कोलकाता को प्लेऑफ की उम्मीद बनाए रखने के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच हर हाल में जीतना जरूरी है। टीम को इसके साथ दूसरे मैचों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। कोलकाता और दिल्ली के बीच मुकाबला रविवार को इंडन गार्डन्स में खेला जाएगा।

रघुवंशी मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में विकेटकीपिंग कर रहे थे। मुंबई की पारी के 11वें ओवर में तिलक वर्मा का कैच



पकड़ने की कोशिश के दौरान उनकी टक्कर वरुण चक्रवर्ती से हो गई। दोनों खिलाड़ी गिर पड़े और चक्रवर्ती कैच नहीं पकड़ सके।

इसके बाद 14वें ओवर में तिलक वर्मा आउट हुए। उसी के तुरंत बाद रघुवंशी मैदान से बाहर चले गए। उनकी जगह तेजस्वी दहिया सब्स्टीट्यूट विकेटकीपर के तौर पर मैदान पर आए।

रघुवंशी को कन्कशन के चलते

मैच से बाहर कर दिया गया। तेजस्वी दहिया ने ही प्लेइंग-12 में उनकी जगह ली। इसके बाद कोलकाता ने मुकाबला चार विकेट से जीत लिया।

21 साल के अंगकृष रघुवंशी आईपीएल 2026 में कोलकाता के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने अब तक 422 रन बनाए हैं। उनका औसत 42.2 और स्ट्राइक रेट 146.52 रहा। इस सीजन में उन्होंने पांच अर्धशतक भी लगाए हैं।

क्रिकेट में कन्कशन का मतलब सिर या गर्दन पर गेंद लगने के कारण सिर में लगने वाली चोट से है। जब किसी खिलाड़ी के सिर पर गंभीर चोट लगती है, जिससे उसका दिमाग ठीक से काम नहीं कर पाता या उसे चक्कर और उलझन महसूस होती है, तो उसे मेडिकल भाषा में कन्कशन कहा जाता है। क्रिकेट में कन्कशन

नियम को आईसीसी ने 2019 में इसलिए लागू किया गया था ताकि चोटिल खिलाड़ी को जोखिम में डालकर खेलने के लिए मजबूर न किया जाए। यदि किसी बल्लेबाज या फील्डर के सिर पर गेंद लगती है, तो टीम का फिजियो मैदान पर आकर उसका कन्कशन टेस्ट करता है (जैसे- तारीख, जगह या खिलाड़ी का नाम पूछना)।

यदि खिलाड़ी सिर की चोट या चक्कर के कारण आगे खेलने की स्थिति में नहीं होता है, तो उसे मैच से बाहर कर दिया जाता है। घायल खिलाड़ी की जगह मैच रेफरी की मंजूरी से कन्कशन सब्स्टीट्यूट (नया खिलाड़ी) टीम में शामिल किया जाता है। नियम के अनुसार, जो नया खिलाड़ी अंदर आता है, वह चोटिल खिलाड़ी के बिल्कुल समान (जैसे- बल्लेबाज की जगह बल्लेबाज या गेंदबाज की जगह गेंदबाज) होना चाहिए, ताकि टीम का संतुलन न बिगड़े।

भांबरी और वीनस की जोड़ी का शानदार प्रदर्शन जेनेवा ओपन में पुरुष युगल के फाइनल में पहुंचे



जेनेवा, 23 मई (एजेंसियां)। भारतीय टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी ने न्यूजीलैंड के अपने जोड़ीदार माइकल वीनस के साथ जेनेवा ओपन के पुरुष युगल सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की

पेत्र रिक्ल और एडम पावलासेक की जोड़ी को सीधे सेटों में हराकर इस सत्र का अपना पहला एटीपी फाइनल सुनिश्चित किया। भारतीय-न्यूजीलैंड की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने सेमीफाइनल

अर्निंयोडो और मार्क पोलमांस की जोड़ी से होगा। इस जोड़ी ने दूसरे सेमीफाइनल में कॉन्स्टेंटिन फ्रांटजेन और रॉबिन हासे को 7-6(4), 6-2 से हराया।

फीफा विश्व कप : रोनाल्डो के पास सपना पूरा करने का आखिरी मौका

न्यूयॉर्क, 23 मई (एजेंसियां)। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के कुल 211 सदस्य देश हैं। पहली बार फीफा विश्व कप 1930 में उरुग्वे में खेला गया था। 96 साल में फीफा विश्व कप केवल आठ देश ही जीत सके हैं। अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में होने वाले फुटबाल विश्वकप 2026 में 48 टीमों भाग ले रही है। इस बार क्वालिफायर में कई ऐसे देशों ने प्रभावित किया है, जो आज तक चैंपियन नहीं बने हैं। इनमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो की पुर्तगाल भी शामिल है।

तमाम बड़े खिताब जीत चुके रोनाल्डो के खाते में इस फुटबॉल महाकुंभ की ट्रॉफी ही नहीं आई है। विश्व कप की शुरुआत अगले महीने से हो रही है और अर्जेंटीना इसमें खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा।

पेले की प्रतिमा की गई स्थापित

ऐसे में रोनाल्डो अपने आखिरी प्रयास में यह सपना भी पूरा कर लेना चाहते हैं। पुर्तगाल के अलावा भी कई देश ऐसे हैं, जो खिताब की होड़



में चौका सकते हैं। क्या इनमें से कोई पहली बार चैंपियन बनेगा? वहीं, फीफा विश्व कप की शुरुआत से पहले महान फुटबालर दिवंगत पेले की 31 फुट (9.5 मीटर) ऊंची प्रतिमा मेक्सिको सिटी के जैलरस्को स्टेडियम के बाहर स्थापित की गई है।

कौन से आठ देश हैं दावेदार?

पुर्तगाल : फीफा 2022 क्वार्टर फाइनल, श्रेष्ठ प्रदर्शन- तीसरा स्थान (1966)

नीदरलैंड: फीफा 2022 क्वार्टर फाइनल

श्रेष्ठ प्रदर्शन- उपविजेता (1974, 1978, 2010)

मोरक्को : फीफा 2022- चौथा

स्थान

श्रेष्ठ प्रदर्शन-चौथा स्थान (2022)

सेनेगल : फीफा 2022- अंतिम 16,

श्रेष्ठ - क्वार्टर फाइनल (2002)

जापान : फीफा 2022 अंतिम 16, श्रेष्ठ प्रदर्शन- अंतिम 16 (2002, 2010, 2018, 2022)

इक्वाडोर : फीफा 2022- ग्रुप स्टेज, श्रेष्ठ प्रदर्शन-अंतिम 16 (2006)

तुर्किये : फीफा 2022 क्वालिफाई नहीं, श्रेष्ठ-तीसरा स्थान (2002)

नॉर्वे : फीफा 2022 क्वालिफाई नहीं, श्रेष्ठ प्रदर्शन- अंतिम 16 (1938, 1998)

विश्व कप में मेजबानों का प्रदर्शन कैसा रहा? फीफा 2022 में-कनाडा मेक्सिको (ग्रुप स्टेज), यूएस (अंतिम 16)

श्रेष्ठ प्रदर्शन-कनाडा (1986, 2022 में ग्रुप स्टेज), मेक्सिको (1970, 1986 में क्वार्टर फाइनल), यूएस (1930 में तीसरा स्थान)

आईपीएल 2026 में भी शुरू हुआ ‘नो हैंडशोक’ विवाद

कोहली-हेड की भिड़ंत में उठी नई चिंगारी!

खेल डेस्क, 23 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 एसआरएच और आरसीबी के बीच हुए मुकाबले ने न सिर्फ अपने नतीजे की वजह से, बल्कि विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच हुई तीखी नोकझोंक की वजह से भी सबका ध्यान खींचा. हैदराबाद ने 55 रनों से शानदार जीत हासिल की, लेकिन मैच के बाद इन दोनों स्टार्स के बीच हुई ‘गरमागरमी’ सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बन गई.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के मुताबिक, मैच के बाद विराट कोहली ने ट्रैविस हेड से हाथ नहीं मिलाया. बताया जा रहा है कि ये टेंशन आरसीबी की पारी के दौरान ही शुरू हो गई थी, जब कोहली बल्लेबाजी कर रहे थे और हेड आरसीबी के पूर्व कप्तान से कुछ कहा-सुनी करते नजर आए.

इस मैच में विराट कोहली बल्ले से कोई बड़ा कमाल नहीं दिखा पाए और 11 गेंदों में 15 रन बनाकर साबिक हुसैन का शिकार बन गए. हालांकि उनकी पारी छोटी थी, लेकिन क्रीज पर रहते हुए उनकी हेड से तीखी बहस हुई, जिसने दोनों टीमों के बीच मुकाबले को और भी रोमांचक बना दिया. ऑनलाइन



मौजूद वीडियो फुटेज से ऐसा लग रहा था कि फील्डिंग के दौरान ट्रैविस हेड विराट कोहली को उकसाने की कोशिश कर रहे थे. ऐसा लगा कि ऑस्ट्रेलियन बैटर कोहली को आक्रामक शॉट खेलने की चुनौती दे रहे थे, जिस पर भारतीय स्टार ने मिडिल ओवर्स में तीखा रिएक्शन दिया. कोहली ने शायद कहा, ‘अब जब तुम्हें सर्वस्ट्रट्यूट नहीं किया जाएगा, तो तुम

ट्रैविस हेड को अक्सर ‘इम्पैक्ट प्लेयर’ के तौर पर सर्वस्ट्रट्यूट के रूप में इस्तेमाल किया जाता था. कोहली का इशारा शायद इस तरफ था कि चूंकि इस मैच में हेड मैदान पर ही मौजूद थे, इसलिए उन्हें गेंदबाजी में भी अपना योगदान देना चाहिए.

विराट कोहली के आउट होने के बाद, ट्रैविस हेड ने कथित तौर पर इस बहस के दौरान एक और टिप्पणी की. उन्होंने कहा, ‘तुम तो आउट भी हो गए, दोस्त, इससे पहले कि मैं गेंदबाजी करने आता.’ ये घटना तब से एसआरएच बनाम आरसीबी मुकाबले के सबसे ज्यादा चर्चित पलों में से एक बन गई है.

सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर ट्रैविस हेड ने भी इस वायरल मोमेंट को इशारों-इशारों में रिएक्शन दिया है. ऑस्ट्रेलिया के इस स्टार प्लेयर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में खुद की फोटो लगाई है, जो नो हैंडशोक मोमेंट से जुड़ी है. उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, ‘शरीर को खुद अंदाजा लगाने दीजिए.’

यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने बहरीन में होने वाली विश्व

चैंपियनशिप स्थगित की



स्थगन की घोषणा करती है। यह चैंपियनशिप मूल रूप से 24 अक्टूबर से एक नवंबर तक बहरीन में होनी था। यह फैसला इस क्षेत्र में मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति पर सावधानीपूर्वक और जिम्मेदारी से विचार करने के बाद लिया गया है। खासकर खाड़ी क्षेत्र से जुड़े संभावित संघर्ष को लेकर जारी अनिश्चितता और क्षेत्रीय स्थिरता तथा अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर

इसके व्यापक प्रभाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू के बयान में कहा गया, बहरीन विश्व स्तरीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, लेकिन सभी पक्षों का मानना ​​है कि एथलीटों, अधिकारियों, प्रतिनिधिमंडलों, भागीदारों और प्रशंसकों की सुरक्षा, विश्वास और समग्र अनुभव हमारी सर्वोच्च

प्राथमिकता होगी। अंतरराष्ट्रीय खेल के विकास और उसकी गरिमा के लिए समर्पित संगठनों के तौर पर, यूडब्ल्यूडब्ल्यू, बहरीन ओलंपिक समिति और बहरीन कुश्ती महासंघ का मानना ​​है कि यह फैसला तैयारी के अंतिम चरणों तक इंतजार करने के बजाय, पर्याप्त समय और पारदर्शिता के साथ लेना महत्वपूर्ण है। अभी जिम्मेदारी से काम करने से 2026 के लिए संभावित नए मेजबान देश का मूल्यांकन करने का पर्याप्त अवसर मिलता है, ताकि प्रतियोगिता के मेजबानों की पहचान की जा सके और आयोजन की तैयारी पेशेवर और व्यवस्थित तरीके से की जा सके। भविष्य की तारीखों और मेजबानी से जुड़े मामलों के बारे में आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी।

